कार्तिक शुक्ल - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 121 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 26-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री का हमें सांत्वना देने आना बड़ी बात थीः सूर्यकुमार

6 मेजर एम सरवननः मां को चिट्ठी में जो लिखा, वह कर दिखाया

7 सलमान खान अपने काम के लिए जीते हैं : कैटरीना

फर्स्ट टेक

सरकार ने प्राकृतिक गैस में बायोगैस मिश्रण अनिवार्य किया

नई दिल्ली/भाषा। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने शनिवार को प्राकृतिक गैस में बायोगैस को अनिवार्य रूप से मिलाने की घोषणा की। यह बायोगैस नगरीय और कृषि कचरे से बनाई जाती है। एक सरकारी बयान के अनुसार वाहनों में इस्तेमाल होने वाली संपीडित प्राकृतिक गैस और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली पीएनजी में अप्रैल, 2025 से एक प्रतिशत बायोगैस का मिश्रित किया जाएगा। बयान के अनुसार 2028-29 तक इसे पांच प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सीबीजी सम्मिश्रण दायित्व (सीबीओ) देश में सम्पीड़ित बायो-गैस (सीबीजी) के उत्पादन और खपत को बढ़ावा देगा। सीबीओ वित्त वर्ष 2024-25 तक स्वैच्छिक रहेगा और अनिवार्य सम्मिश्रण दायित्व 2025-26 से शुरू होगा।

रूस ने यूक्रेन पर सबसे भीषण ड्रोन हमला किया

कीव/एपी। रूस ने 2022 में व्यापक स्तर पर हमले शुरू करने के बाद से यूक्रेन पर शनिवार को अब तक का सबसे भीषण ड्रोन हमला किया, जिसमें इसकी राजधानी कीव को निशाना बनाया गया। सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी वायुसेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, ''इस हमले में मुख्य रूप से कीव को निशाना बनाया गया।'' यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ लगभग 75 ईरानी निर्मित ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 71 को मार गिराया गया। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा, ''यह हमला कीव पर ड्रोन से किया गया सबसे भीषण हवाई हमला था।'' पोपको ने बताया कि कीव पर हमला स्थानीय समयानुसार प्रातः चार बजे शुरू हुआ, जो छह घंटे से अधिक समय तक जारी रहा। उन्होंने बताया कि हमले से 77 आवासीय भवनों और 120 संस्थानों में बिजली गुल हो गई।

सीरिया में सरकारी बलों की गोलीबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत : विपक्ष

बेरूत/एपी। सीरिया के इदलिब प्रांत के कॉकाफीन गांव में सरकारी बलों की गोलीबारी में छह बच्चों समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। विपक्षी कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। सीरिया में 12 साल से जारी संघर्ष में एक दूसरे के विरोधी गुटों का समर्थन कर रहे रूस और तुर्की के बीच मार्च 2020 में हुए समझौते के उल्लंघन का यह नया मामला है। सीरिया में जारी संघर्ष में अब तक पांच लाख लोग मारे जा चुके हैं।

मोदी ने 'तेजस' से भरी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तेजस विमान से उड़ान भरी और कहा कि इस अनुभव से देश की स्वदेशी क्षमताओं पर उनका भरोसा बढ़ा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, ''तेजस से सफलतापूर्वक उड़ान भरी।'' उन्होंने कहा, ''यह अनुभव अविश्वसनीय था, जिससे हमारे देश की स्वदेशी क्षमताओं के प्रति मेरा विश्वास और भी बढ़ गया और हमारी राष्ट्रीय क्षमता के बारे में मुझमें नए सिरे से गर्व और आशावाद की भावना पैदा हुई।'' उन्होंने यह भी लिखा, ''मैं आज तेजस में उड़ान भरते हुए अत्यंत गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारी मेहनत और लगन के कारण हम आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं हैं। भारतीय वायुसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ ही समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।''

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को बेंगलूरु पहुंचे और रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) एचएएल का दौरा कर उसके विनिर्माण संयंत्र में चल रहे काम की समीक्षा की।

तेजस लड़ाकू विमानों के लिए 36,468 करोड़ का ऑर्डर दिया गया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 83 एलसीए एमके 1ए तेजस विमानों की आपूर्ति के लिए 36,468 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह बात कही। अधिकारियों ने बताया कि इन तेजस विमानों की आपूर्ति फरवरी 2024 तक शुरू होनी निर्धारित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारत की रक्षा तैयारियों और स्वदेशीकरण को बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं, जिसमें तेजस लड़ाकू विमान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि विमान का पहला संस्करण 2016 में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूकः

पंजाब में पुलिस अधीक्षक निलंबित

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले साल जनवरी में पंजाब दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा में हुई चूक को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप में राज्य के पुलिस अधीक्षक रैंक के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। घटना के समय पुलिस अधीक्षक (अभियान) के पद पर गुरबिंदर सिंह तैनात थे और वह फिरोजपुर में ड्यूटी पर थे। पंजाब गृह विभाग द्वारा बुधवार को जारी एक आदेश के अनुसार, वर्तमान में बठिंडा जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

ऑगर मशीन हुई खराब, हाथ से 'ड्रिलिंग' के विकल्पों पर किया जा रहा है विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/ भाषा। अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने शनिवार को कहा कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए जिस ऑगर मशीन से 'ड्रिल' की जा रही थी, वह खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि बचाव दल लंबवत और हाथ से 'ड्रिलिंग' सहित अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

डिक्स ने सिलक्यारा में पत्रकारों से कहा, '' ऑगर टूट गई है, क्षतिग्रस्त हो गई है।''

पिछले कुछ दिन से ऑगर मशीन से 'ड्रिल' करने के दौरान लगातार बाधाएं आ रही थीं।

जब उनसे हाथ से अथवा लम्बवत 'ड्रिल' करने जैसे अन्य विकल्पों के बारे में पूछा गया तो डिक्स ने कहा कि सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान अपने अंतिम चरण के निकट : सोमनाथ

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करने से जुड़े भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत प्रक्षेपित 'आदित्य एल1' अंतरिक्ष यान अपने अंतिम चरण के करीब है और एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है।

इसरो प्रमुख ने पहले ध्वनि रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में विक्रम साराबाई अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''आदित्य रास्ते में है। मुझे लगता है कि यह अपने अंतिम चरण में लगभग पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यान के एल1 बिंदु में प्रवेश की अंतिम तैयारियां लगातार आगे बढ़ रही हैं। सोमनाथ ने कहा, ''एल1 बिंदु में प्रवेश करने की अंतिम प्रक्रिया संभवतः सात जनवरी, 2024 तक पूरी हो जाएगी।''

'आदित्य एल1' का दो सितंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया था। इसरो के अनुसार, 'आदित्य-एल1' सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई ने प्रारंभिक जांच दर्ज की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रारंभिक जांच भ्रष्टाचार निरोधक निकाय लोकपाल से मामले को संदर्भित किये जाने पर दर्ज की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों को लेकर मोइत्रा के खिलाफ एक शिकायत के साथ लोकपाल का रुख किया था। इस मुद्दे पर सीबीआई या लोकपाल की ओर से कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। दुबे ने मोइत्रा पर मौद्रिक लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का भी आरोप लगाया है। लोकसभा की आचार समिति ने भी मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच कर अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दी है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति चिंताजनक नहीं, आतंकी हमले पाक प्रायोजित हरकत : डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर.आर. स्वैन ने घाटी में अशांति फैलाने के लिए आतंकी हमलों को पाकिस्तान के इशारे पर किया गया कृत्य करार देते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में स्थिति चिंताजनक नहीं है, जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा है।

स्वैन ने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियां, सक्रिय जन समर्थन के साथ इस तरह के मंसूबों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि जम्मू-कश्मीर और इसकी सरकार आतंकवाद को हराने की इच्छाशक्ति रखती है।

पुलिस प्रमुख ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी-कभी मारे गए विदेशी आतंकवादियों की तस्वीरें इंटरपोल के माध्यम से प्रसारित करने के बारे में सोचा है ताकि उनके माता-पिता को कम से कम यह पता चल सके कि उनके बच्चों की मौत हो चुकी है।

डीजीपी शीतकालीन राजधानी जम्मू स्थित पुलिस मुख्यालय में अपनी पहली सार्वजनिक शिकायत निवारण बैठक के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

राजौरी में हाल ही में मुठभेड़ में पांच सैन्यकर्मियों और दो विदेशी आतंकवादियों के मारे जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमें अधिक चिंतित होना चाहिए। हां, एक चुनौतीपूर्ण सीमा है और एक पूरा देश (पाकिस्तान) और एक पूरी व्यवस्था विकृत और जटिल है, इसलिए हमारे सामने एक चुनौती है।'' उन्होंने कहा, ''कोई भी इस वास्तविकता से मुंह नहीं मोड़ रहा है कि एक चुनौती है, लेकिन भारतीय राज्य और उसकी सरकार के पास इसे (आतंकवाद को) हराने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प है।''

डीजीपी ने कहा, ''आज सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ हमारी बैठक हुई और हम इस बात से बहुत संतुष्ट थे कि लोग खुद हमें (आतंकवादियों के बारे में) सूचित करने के लिए आगे आ रहे हैं। सूचना के प्रवाह से पता चलता है कि लोग इस लड़ाई में भागीदार बनने के इच्छुक हैं।''

मुलाकात

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, जगदीप धनखड़ शनिवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में G20 THINQ (द इंडियन नेवी क्विज़) के फाइनलिस्टों के साथ एक समूह तस्वीर में।

राजस्थान में 73 फीसदी से ज्यादा मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/वार्ता। राजस्थान विधानसभा की 200 में से 199 सीटों पर शनिवार को हुए मतदान में 73 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं ने अपने संवैधानिक अधिकारों प्रयोग किया। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए बड़ा दांव लगा हुआ है।

भाजपा जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है, वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस अपने चुनावी वादों के आधार पर लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है।

राज्य में 5.26 करोड़ से ज्यादा मतदाता 1,800 से अधिक उम्मीदवारों में से अपने विधायकों को चुनने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, जैसलमेर जिले में सबसे ज्यादा 82.37 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि पाली में मतदान समाप्त होने तक सबसे कम 65.12 प्रतिशत मतदान हुआ। 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में 74.04 प्रतिशत मतदान हुआ था।

अन्य जिलों में अजमेर में 72.81 प्रतिशत, अलवर में 74.41 प्रतिशत, बांसवाड़ा में 74.12 प्रतिशत, बारां में 79.96 प्रतिशत, बाड़मेर में 76.88 प्रतिशत, भरतपुर में 71.8 प्रतिशत, भीलवाड़ा में 75.42 प्रतिशत, बीकानेर में 69.86 प्रतिशत, बूंदी में 76.38 प्रतिशत, चित्तौड़गढ़ में 79.86 प्रतिशत, धौलपुर में 74.49 प्रतिशत, डूंगरपुर में 67.64 प्रतिशत और गंगानगर में 78.21 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी तरह हनुमानगढ़ में 81.35 प्रतिशत, जयपुर में 75.16 प्रतिशत, जालोर में 69.56 प्रतिशत, झालावाड़ में 80.24 प्रतिशत, झुंझुनू में 72.11 प्रतिशत, जोधपुर में 65.53 प्रतिशत, करौली में 68.38 प्रतिशत, कोटा में 76 प्रतिशत, नागौर में 70.83 प्रतिशत, प्रतापगढ़ में 77.32 प्रतिशत, राजसमंद में 72.04 प्रतिशत, राजसमंद में 72.04 प्रतिशत, टोंक में 71.62 प्रतिशत और उदयपुर में 70.52 प्रतिशत मतदान हुआ।

तुर्किए ने इराक में पीकेके के ठिकानों पर हवाई हमला किया

अंकारा/वार्ता। तुर्किए की सेना ने उत्तरी इराक में सीमा पार ऑपरेशन के तहत प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के 17 ठिकानों पर हवाई हमले किए। तुर्किए रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक ऑपरेशन मेटिना, हाकुर्क, गारा और कंदील क्षेत्रों में चलाया गया, जिसमें 19 गुफाओं, कैश और आश्रयों को निशाना बनाया गया, जहां माना जाता है कि पीकेके के वरिष्ठ सदस्य रहते हैं।

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड में चार दोषियों को उम्रकैद, पांचवें को तीन साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

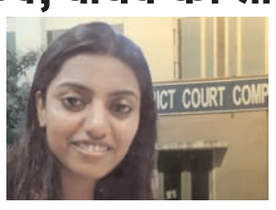

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की 2008 में हुई हत्या के मामले में शनिवार को चार दोषियों को आजीवन कारावास, जबकि पांचवें दोषी को तीन साल जेल की सजा सुनाई।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडेय ने सजा सुनाते हुए कहा कि यह अपराध 'दुर्लभतम' मामलों की श्रेणी में नहीं आता है, इसलिए मौत की सजा का अनुरोध अस्वीकार किया जाता है।

अदालत ने मामले में दोषी करार दिये गए रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत मलिक और अजय कुमार को आजीवन कारावास, जबकि पांचवें दोषी अजय सेठी को तीन साल साधारण कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने कपूर, शुक्ला, मलिक और कुमार पर 1.25-1.25 लाख रुपये का जबकि सेठी पर 7.25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत ने कहा कि सेठी पहले ही 14 साल से अधिक समय जेल में गुजार चुका है। इसने कहा कि दोषियों पर लगाई गई कुल जुर्माना राशि पीड़िता के परिवार को दी जाएगी।

सुनवाई के दौरान पीड़िता की मां माधवी विश्वनाथन ने अदालत से कहा कि वह पिछले 15 साल से न्याय मिलने का इंतजार कर रही हैं।

संस्कृति, ज्ञान, इतिहास और परंपराओं संबंधी अपनी धरोहर पर गौर करने के लिए अधिक समय, ध्यान और ऊर्जा लगाये : जयशंकर

मुंबई/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भारतीय विशिष्टताओं के अनुरूप स्वरूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक तथा ज्ञान संबंधी धरोहर पर गौर करने के लिए अधिक समय दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

वह पुणे में एक शैक्षणिक संस्थान द्वारा आयोजित 'भारत की सामरिक संस्कृति पर अंतरराष्ट्रीय संबंध सम्मेलन: वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मेरा सवाल भारतीय सामरिक संस्कृति विकसित करने को लेकर है; यदि हमें भारतीय विशिष्टताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाने हैं, तो क्या यह आवश्यक नहीं है कि हम वास्तव में संस्कृति, ज्ञान, इतिहास और परंपराओं संबंधी अपनी धरोहर पर गौर करने के लिए अधिक समय, ध्यान और ऊर्जा लगाये।''

जयशंकर का लंबा राजनयिक करियर रहा है। मंत्री ने अपनी इस बात पर बल देने के लिए वर्षों पहले अफगानिस्तान के बारे में अपने अमेरिकी समकक्ष अधिकारियें के साथ अपनी बातचीत का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पाया कि अफगानिस्तान में 20 साल रहने के बाद भी, उस देश के बारे में अमेरिकी समझ अफगानिस्तान के बारे में ब्रिटिश विमर्श के अनुसार ढली हुई थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपना ''जीवनकाल'' अफगानिस्तान में बिताया, उन्होंने महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य के महान सिख योद्धा हरि सिंह नलवा जैसे व्यक्ति के बारे में कभी नहीं सुना था। नलवा अफगानिस्तान की सीमा पर सिख सेना के प्रमुख कमांडर थे।

24-11-2023 सूर्यास्त 5:39 बजे | 25-11-2023 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
65,970.04	19,802.00
(-47.77)	(-9.85)

सोना	चांदी
6,297 रु.	77,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सज्जों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

सहज स्मृति योग

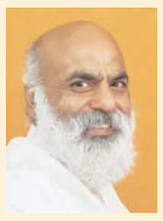

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, जो महानुभाव शंकराचार्य पद पर होते हैं उनका प्रस्थानत्रयी पर भाष्य लिखना आवश्यक क्यों माना जाता है?

उत्तर: जो व्यक्ति शंकराचार्य पद पर होते हैं उनकी ओर से त्रयी पर भाष्य लिखना एक तरह से इस बात का एक विनम्र विज्ञापन सा ही होता है कि उन्होंने उसी सनातन परम तत्व का साक्षात् कर लिया है जिसका साक्षात्कार आचार्य शंकर ने किया था और जो वेद, उपनिषद, ब्रह्मसूत्र और गीता में वर्णित है। और अब वे सबको इसका उपदेश करने में न केवल समर्थ हैं बल्कि, सार्वजनिक रूप से उपदेश करने के लिए तत्पर स्वरूप से समर्पित भी हैं।आदि शंकराचार्य प्रणीत इस परंपरा के इस पद का उत्तरदायित्व भी तो यही है कि लोक में सनातन तत्व, साक्षी-चैतन्य और धर्म की प्रतिष्ठा निरंतर होती रहे, इसीलिए त्रयी पर भाष्य लिखना आवश्यक माना जाता है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो के रॉकेट प्रक्षेपण की 60वीं वर्षगांठ के समारोह का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रॉकेट प्रक्षेपण की 60वीं वर्षगांठ समारोह का उद्घाटन किया और भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को वास्तविकता में तब्दील करने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की सराहना की।

केंद्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सिंह ने यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रयान मिशन की सफलता इसरो के पहले रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष में मिली।

विदेश एवं संसदीय मामलों के राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने अपने संबोधन में इसरो के वैश्विक योगदान की सराहना की और आधिकारिक विदेशी यात्राओं के दौरान गणमान्य व्यक्तियों से मिली प्रशंसा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि न केवल अंतरिक्ष, बल्कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भी भारत की उपलब्धियां कई राष्ट्राध्यक्षों के लिए गर्व का स्रोत है।

इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में वीएसएससी के निदेशक डॉ. एस उन्नीकृष्णन नायर, आईआईएसटी कुलाधिपति डॉ. बी एन सुरेश, पूर्व एसपीएल निदेशक प्रोफेसर आर शशिधरन और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वर्ष 1963 की ऐतिहासिक घटना की याद दिलाने वाला एक कार्यक्रम उसी स्थान पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आरएच 200 रॉकेट प्रक्षेपण, एक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी, छात्रों के साथ चर्चा और वैज्ञानिकों द्वारा ज्ञानवर्धक व्याख्यान शामिल था।

महाराष्ट्र: जन्मदिन के लिए दुबई न ले जाने पर पति के मुंह पर मुक्का मारा, मौत

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में एक महिला ने अपने पति के मुंह पर कथित तौर पर मुक्का मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला अपने जन्मदिन पर दुबई नहीं ले जाने को लेकर अपने पति निखिल खन्ना से नाराज थी। उन्होंने कहा कि यह घटना शुक्रवार दोपहर वानवड़ी इलाके में हुई। पुलिस के मुताबिक, निखिल खन्ना रियल एस्टेट डेवलपर था। वानवड़ी थाने के एक अधिकारी ने कहा, ''जांच के दौरान पता चला कि मृतक की पत्नी रेणुका (36) का 18 सितंबर को जन्मदिन था। वह इसे मनाने के लिए दुबई जाना चाहती थी, लेकिन उसके पति ने इस मांग को पूरा नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पांच नवंबर को उनकी शादी की सालगिरह भी थी और वह पति से अच्छे उपहार की उम्मीद कर रही थी। इसके अलावा महिला इसलिए भी परेशान थी क्योंकि वह अपने रिश्तेदार के जन्मदिन के लिए दिल्ली जाना चाहती थी, लेकिन पति से इस मांग को भी पूरा नहीं किया।'' इन्हीं बातों को लेकर शुक्रवार को दंपति में तीखी बहस हुई। अधिकारी ने बताया कि गुस्से में आकर महिला ने पति की नाक पर मुक्का मार दिया, जिससे काफी खून बहने लगा और वह बेहोश हो गया। उन्होंने बताया कि पड़ोसियों द्वारा सूचित किए जाने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और खन्ना को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

दक्षिण मुंबई में दो समूहों में झड़प, 50 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके में दो समूहों में हुई झड़प के मामले में 50 से ज्यादा लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम को एक जुलूस के दौरान मौलाना आजाद रोड पर गोल देवल मंदिर चौराहा के पास हुई। अधिकारी ने बताया कि कुछ लोग एक ट्रक पर बड़े स्पीकर लगाकर तेज़ आवाज़ में संगीत बजाने लगे और नारेबाज़ी करने लगे जबकि एक शख्स ने एक पत्थर भी फेंका। अधिकारी ने बताया, इससे दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात करना पड़ा। जेजे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

'टीआरएस ने नाम बदलकर बीआरएस कर लिया, लेकिन इससे उसका भ्रष्टाचार नहीं बदल जाता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि टीआरएस ने अपना नाम बदलकर बीआरएस और संप्रग ने अपना नया नाम 'इंडिया' गठबंधन कर लिया, लेकिन उनका भ्रष्टाचार और कुशासन कभी नहीं बदल सकता।

तेलंगाना के कामारेड्डी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस के बीच समानता यह है कि वे लोगों को धोखा देने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाते हैं। उन्होंने कहा, ''अचानक टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) को बीआरएस बना दिया गया है। इसी साल संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) को 'इंडिया' गठबंधन बना दिया गया। देश की जनता इन चालों को अच्छी तरह समझती है।''

मोदी ने आरोप लगाया, ''नाम बदलने से उनका भ्रष्टाचार, कुशासन और वोट बैंक की राजनीति का इतिहास कभी नहीं बदला जा सकता। सच्चाई यह है कि देश के कई राज्यों में लोगों ने दशकों तक कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखा है।'' प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि लोग 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव में बीआरएस को सत्ता से बेदखल कर देंगे। उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस, कांग्रेस से मुक्ति चाहते हैं और भाजपा के पक्ष में लहर है।

मोदी ने कहा कि राज्य में भाजपा का घोषणापत्र गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों की आकांक्षाओं का प्रतीक है।

कामारेड्डी सीट पर बीआरएस प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी और भाजपा के वेंकटरमण रेड्डी चुनाव लड़ रहे हैं।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने शनिवार को कहा कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है।

महायुति में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंद नीत शिवसेना और अजित पवार के गुट वाली राकांपा शामिल है।

यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा कि महायुति सरकार स्थिर है, क्योंकि उसके सभी 200 विधायक एकजुट हैं और शिंदे के नेतृत्व में राज्य अच्छा कर रहा है।

अजित पवार ने कहा, 'मैं 15 दिनों तक डेंगू से पीड़ित रहा, लेकिन कुछ लोगों ने दावा किया कि मुझे राजनीतिक बीमारी हुई थी, ऐसा कुछ नहीं है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मैं शिकायत करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिला था, लेकिन मैं शिकायत करने वालों में नहीं हूं।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में आगामी चुनाव (लोकसभा व विधानसभा) के लिए सीट बंटवारे को लेकर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इसलिए महाराष्ट्र में चुनाव को लेकर कोई बातचीत अभी तक नहीं हुई है।'

मध्यप्रदेश के शहडोल में बिजली का करंट लगने से बाघ की मौत, 11 ग्रामीण गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शहडोल/भाषा। मध्य प्रदेश के शहडोल में 12 साल के एक बाघ की कथित तौर पर बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने शनिवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि बाघ खेत में लगे बिजली के तार के संपर्क में आ गया था।

अधिकारी ने बताया कि वन विभाग ने बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से सटे जिले के जैतपुर वन क्षेत्र में बाघ की मौत को लेकर 11 ग्रामीणों को गिरफ्तार किया है।

मंडलीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रद्धा पांढरे ने कहा कि वन में गश्त लगा रहे दल को बृहस्पतिवार को एक बाघ का 15 दिन पुराना शव मिला जिसके बाद उन्होंने शिकार के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बाघ कथित तौर पर एक खेत में जंगली सूअरों को फंसाने के लिए ग्रामीणों द्वारा बिछाए गए बिजली के तारों के संपर्क में आ गया था। लेकिन बाघ के शव को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया था।

अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

'स्टेटस ऑफ टाइगर: को-प्रिडेटर्स एंड प्रे इन इंडिया 2022' के शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या 785 है जिसके बाद कर्नाटक में 563 और उत्तराखंड में 560 बाघ हैं। इसमें बताया गया कि मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या वर्ष 2018 में 526 थी जो बढ़कर 785 हो गई है।

ईडी ने अवैध भूमि कब्जा मामले में गोवा में 39 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने गोवा में जाली दस्तावेजों का उपयोग करके जमीन कब्जाने वाले कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए धन शोधन जांच के तहत राज्य में करोड़ों रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुल 39.24 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आदेश जारी किया गया।

धन शोधन का यह मामला पुलिस द्वारा विक्रांत शेट्टी, मोहम्मद सुहैल, राजकुमार और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ गोवा में अचल संपत्तियों को अवैध रूप से हथियाने के आरोप में दर्ज विभिन्न प्राथमिकियों पर आधारित है।

ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि आरोपी व्यक्तियों द्वारा अपने नाम पर या अपने सहयोगियों या रिश्तेदारों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्तियां अवैध रूप से अर्जित की गईं।

सीतारमण ने फंड आवंटन में केरल की उपेक्षा के दावों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केरल की वामपंथी सरकार के इन आरोपों को खारिज किया कि राज्य को धन आवंटन में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार बिना देरी किए केरल को आवश्यक धनराशि तुरंत भेजती है।

विभिन्न श्रेणियों के तहत धन जारी नहीं करने के वामपंथी सरकार के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि आवश्यक मानदंडों को पूरा करने में राज्य सरकार की विफलता के कारण यह धन जारी नहीं किया जा सका। केरल में सत्तारूढ़ माकपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने केंद्र सरकार की कथित उपेक्षा के खिलाफ जनवरी में नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

वित्त मंत्री ने दावा किया कि 2009-10 से 2023-24 के बीच केरल को वित्त आयोग अनुदान की सबसे अधिक राशि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जारी की गई है।

वित्त मंत्री ने कहा, 'राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के तहत सभी लंबित देनदारियां और 2023-24 की पहली किश्त जारी की जा चुकी है। इसके तहत वरिष्ठ नागरिक पेंशन को कवर करते हुए केरल को अक्टूबर 2023 में 602.14 करोड़ रुपये जारी किए गए।' उन्होंने यह बात एटिंगल में आयोजित ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सातवें यूजीसी वेतन संशोधन के मुद्दे पर शिक्षा मंत्रालय ने बताया है कि प्रतिपूर्ति के जरिए 50 प्रतिशत केंद्रीय हिस्सेदारी (7वीं सीपीसी) की योजना उन राज्य सरकारों के लिए थी, जिन्होंने 7वीं योजना के अनुसार संशोधित वेतनमान को अपनाया और लागू किया था।

सीतारमण ने कहा, 'केरल सरकार ने अपेक्षित शर्तें पूरी नहीं कीं, इसलिए धनराशि जारी नहीं की जा सकी।'

विजयन ने केरल में हवाई अड्डों के 'रुके' विकास को लेकर केंद्र पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने उत्तरी जिलों में कन्नूर और करिपुर हवाई अड्डों पर विकास नहीं किये जाने को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण इनका विस्तार 'रुका हुआ' है।

यहां राज्य सरकार के कार्यक्रम 'नव केरल सदास' के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए, उन्होंने हवाई अड्डों के व्यापक विकास, उन पर सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की लोगों की मांग पर जोर दिया। केरल को प्रवासियों की भूमि करार देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अपनी मातृभूमि से जोड़ने के लिए सुविधाएं देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रवासियों को जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उनमें से एक सफर से संबंधित है। विजयन ने कहा, ''हम विभिन्न स्तरों पर लगातार बढ़ते हवाई किराए और यात्रा के लिए अन्य विकल्पों की कमी के संबंध में चर्चा कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों को दूर करने के लिए करिपुर और कन्नूर हवाई अड्डों का विकास महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मालाबार (उत्तरी केरल) क्षेत्र के विकास को रफ्तार देने के लिए शुरू किया गया करिपुर हवाई अड्डे का विकास अब रुक गया है।'' विजयन ने कहा हवाई अड्डा प्राधिकरण को हवाई पट्टी के विकास के लिए आवश्यक भूमि अक्टूबर में सौंप दी गई थी, लेकिन निविदा प्रक्रियाओं की अवधि बढ़ने से विकास में देरी हो रही है। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार ने निविदा प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने और विकास कार्य पूरा करने की मांग की है।'' मुख्यमंत्री ने कन्नूर हवाई अड्डे पर कहा कि इसका निर्माण पिछली सरकार लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के समय में पूरा हो गया था और इसमें सभी आवश्यक सुविधाएं हैं, लेकिन केंद्र ने अभी तक विदेशी विमानन कंपनियों को यहां से संचालन के लिए अनुमति नहीं दी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार निजी कंपनियों को हवाई अड्डों का नियंत्रण करने और अपनी पसंद के अनुसार हवाई किराया तय करने की सुविधा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नीति के तहत कन्नूर हवाई अड्डे का विकास अवरुद्ध कर दिया गया।

तेलंगाना चुनाव: बीआरएस नेता कविता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के. कविता ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ''अब्दाला शाह'' (झूठों का सरताज) बताया और कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के परिवार के सदस्य सिर्फ चार नहीं बल्कि तेलंगाना के चार करोड़ लोग हैं।

यहां से लगभग 165 किलोमीटर दूर कोरुतला में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार सभी सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) को बेच रही है और दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता तेलंगाना में चीनी मिलों को फिर से खोलने का वादा कर रहे हैं। कविता ने कहा, ''भाजपा में एक बड़े नेता हैं। इनका नाम है अमित शाह। हमें उनका नाम बदलकर ''अब्दाला शाह'' (झूठों का सरताज) रख देना चाहिए। उन्होंने क्या कहा? चुनाव के दौरान वह कुछ भी बोल सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनका कहना है कि वह यहां चीनी मिल फिर से खोलेंगे। उन्होंने सभी पीएसयू बेच दिए, लेकिन कोरुटला में, वह चीनी मिल फिर से खोलना चाहते हैं, क्योंकि उनका उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है। क्या यह विश्वसनीय है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे कई नेता तेलंगाना आ रहे हैं और केसीआर के परिवार के बारे में बात कर रहे हैं। विपक्षी दलों के इस आरोप पर कि केसीआर की सरकार उनके परिवार के सदस्यों द्वारा चलाई जाती है, कविता ने पलटवार करते हुए कहा, ''मैं आज दिल्ली के सभी लोगों से कहना चाहती हूं। हमारा चार सदस्यीय परिवार नहीं है। हमारा चार करोड़ तेलंगानावासियों का परिवार है। आप हमारे परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद पैदा नहीं कर सकते।''

जमानत रद्द करने के अनुरोध संबंधी याचिका पर जगनमोहन रेड्डी, सीबीआई को न्यायालय का नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने संबंधी एक मामले में वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी को दी गई जमानत रद्द करने के अनुरोध संबंधी एक याचिका पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने वाईएसआर कांग्रेस के असंतुष्ट सांसद रघु रामकृष्ण राजू की याचिका पर रेड्डी और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा, ''नोटिस जारी किया जाता है। प्रधान न्यायाधीश से निर्देश प्राप्त करने के बाद, रजिस्ट्री जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में मामलों को उचित अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगी।'' उच्चतम न्यायालय ने इससे पूर्व आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने संबंधी एक मामले को हैदराबाद की एक अदालत से किसी अन्य राज्य और मुख्यत: राष्ट्रीय राजधानी स्थित पटियाला हाउस अदालत में स्थानांतरित करने संबंधी याचिका पर सीबीआई तथा मुख्यमंत्री रेड्डी से जवाब मांगा था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने राजू की ओर से दायर स्थानांतरण याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था और जांच एजेंसी से यह बताने को कहा था कि मामले में सुनवाई पूरी होने में देरी क्यों हुई।

हिमाचल में धान खरीद पिछले साल से बढ़कर 20,993 टन तक पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश में धान की खरीद पिछले साल की खरीद को पार कर इस साल 20,993 टन तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 14,000 टन धान की खरीद की तुलना में चालू वर्ष (2023) में राज्य भर में स्थापित 14 मंडियों में 3,663 किसानों से लगभग 20,993 टन धान खरीदा गया है।

राज्य नागरिक एवं खाद्य आपूर्ति निगम के संयुक्त निदेशक रवींद्र ठाकुर ने बताया कि इस साल 22 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है और अब तक राज्य के किसान 45 करोड़ रुपये में 20,993 टन धान सरकार को बेच चुके हैं। सिरमौर जिले में 6,250 टन (62,500 क्विंटल) खरीद के लक्ष्य के मुकाबले राज्य नागरिक आपूर्ति निगम पहले ही लगभग 9,000 टन खरीद चुका है।

ईडी ने सुपरटेक के खिलाफ धनशोधन मामले में डीएलएफ के परिसरों की तलाशी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट फर्म सुपरटेक और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन मामले में जांच के तहत गुरुग्राम में प्रमुख रियल्टी कंपनी डीएलएफ के परिसरों की तलाशी ली है। आधाकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने दो दिन तक हुई कार्रवाई के दौरान कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं।

डीएलएफ ने बाद में शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के एक दल ने सुपरटेक के मामले में की जा रही जांच के संबंध में जानकारी मांगने के लिए हमारे परिसर का दौरा किया। उसने बताया कि अधिकारियों ने उक्त जांच से संबंधित लेनदेन का विवरण मांगा और कंपनी ने उन्हें इस संबंध में सभी संबंधित दस्तावेज देकर पूरा सहयोग दिया।

सूत्रों ने कहा कि यह कार्रवाई सुपरटेक के खिलाफ ईडी की जांच से जुड़ी है। ईडी ने इस मामले में सुपरटेक के प्रवर्तक राम किशोर (आर के) अरोड़ा को जून में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं। तब यह आरोप लगाया गया था कि अरोड़ा समूह का मुख्य नियंत्रक व्यक्ति था जिसने निवेशकों और घर खरीदारों के करोड़ों रुपयों को विभिन्न मुखौटा कंपनियों में भेजने करने का फैसला किया था।

धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत दर्ज किया गया मामला दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पुलिस विभागों द्वारा सुपरटेक लिमिटेड और उसके समूह की कंपनियों के खिलाफ 670 घर खरीदारों से 164 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज की गई 26 एफआईआर से जुड़ा है। ईडी ने कहा था कि 'सुपरटेक समूह के माध्यम से सैकड़ों करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई और वे ग्राहकों को समय पर फ्लैटों का कब्जा देने के लिए अपने सहमत दायित्वों का पालन करने में विफल रहे।'

इसमें दावा किया गया है कि सुपरटेक समूह ने 2013-14 में गुरुग्राम में जमीन खरीदने के लिए ग्राहकों और घर खरीदारों से प्राप्त 440 करोड़ रुपये अत्यधिक ऊंची कीमतों पर निकाल लिए, जबकि नोएडा में उनकी पहले से वादा की गई परियोजनाएं पूरी नहीं हुईं।

जनहित योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के विधायक वनाथी श्रीनिवासन ने केंद्र सरकार सुयम जनहित योजना के तहत पिछड़े वर्ग के लोगो को ऑटो रिक्शा बांटे।

आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में किसी से कम नहीं है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में सफलतापूर्वक उड़ान भरी। रक्षा क्षेत्र के महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के दौरे पर आये श्री मोदी ने वायु सेना के पायलट के साथ एचएएल के हवाई अड्डे से लड़ाकू विमान में उड़ान भरी।

लड़ाकू विमान में सफल उड़ान के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं आज तेजस में उड़ान भरते हुए अत्यंत गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारी मेहनत और लगन के कारण हम आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं हैं। भारतीय वायुसेना, डीआरडीओ और एचएएल के साथ ही समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

तेजस विमान मोदी सरकार की रक्षा तैयारियों को बढ़ाने और स्वदेशीकरण के लिए उठाये गये बड़े कदम के तहत देश में ही बनाया गया है। तेजस के पहले संस्करण को 2016 में वायु सेना में शामिल किया गया था। अभी वायु सेना के दो स्क्वाड्रनों 45 स्क्वाड्रन और 18 स्क्वाड्रन तेजस को शामिल किया गया है। सरकार ने एचएएल को 83 एलसीए एमके 1ए विमानों का आर्डर दिया है जिस पर 36,468 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इन विमानों की आपूर्ति फरवरी 2024 तक शुरू हो जायेगी।

सरकार ने एलसीए तेजस के उन्नत और अधिक घातक संस्करण एलसीए एमके 2 के विकास के लिए 9000 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी है। इस विमान के लिए देश में ही अत्याधुनिक इंजन बनाने के लिए प्रधानमंत्री की गत जून में अमेरिका यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस के साथ बातचीत की गई है जो अंतिम चरण में है। इस संबंध में एचएएल ने जी ई एरोस्पेस के साथ एक समझौता भी किया है। उल्लेखनीय है कि तेजस देश के बाहर भी एयर शो में अपनी ताकत और जौहर का प्रदर्शन कर वाह वाही लूट चूका है और कई देशों ने इस विमान को खरीदने में दिलचस्पी भी दिखाई है।

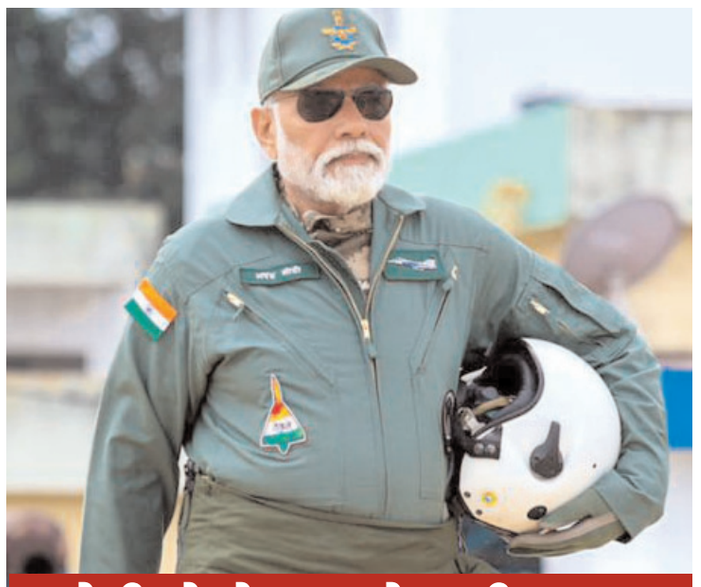

मोदी ने तेजस में भरी उड़ान

रेत खनन जांच को लेकर जिलाधिकारियों को जारी ईडी के समन को उच्च न्यायालय में चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार और पांच जिलाधिकारियों ने राज्य में कथित अवैध रेत खनन को लेकर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी समन को चुनौती देते हुए मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। ये समन जिलाधिकारियों को जारी किये गये हैं। अरियलूर, वेलूर, तंजावूर, करुर और तिरुचिरापल्ली के जिलाधिकारियों की तरफ से राज्य के सार्वजनिक विभाग के सचिव द्वारा दायर याचिका पर 27 नवंबर को सुनवाई होने की उम्मीद है।

सचिव ने अपनी याचिका में कहा कि ईडी ने जांच की आड़ में विभिन्न जिलाधिकारियों को समन जारी किया है, जिसमें अपने क्षेत्र अधिकार से बाहर जाकर बेवजह फंसाने के लिए उनके जिले की सभी रेत खदानों के बारे में जानकारी मांगी है। ईडी ने कथित तौर पर पीएमएलए के तहत जांच के सिलसिले में जिलाधिकारियों को समन जारी कर विभिन्न तारीखों पर उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बताया कि समन में जिलाधिकारियों को अपने आधार कार्ड की एक प्रति के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और अपने जिलों में सभी रेत खनन स्थलों का विवरण जमा करने का निर्देश दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रेत, जो एक सूक्ष्म खनिज है, संविधान के तहत राज्य का विषय है। उन्होंने कहा कि इसलिए, ईडी को विषय वस्तु या उससे जुड़े मामले में पूछताछ और जांच करने का अधिकार नहीं है।

शहीद कैप्टन प्रांजल को बड़ी संख्या में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए कैप्टन एम वी प्रांजल को बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी। उनके पार्थिव शरीर को शुक्रवार रात विमान से बेंगलुरु लाया गया और बाद में यहां के निकट आनेकल तालुका में उनके माता-पिता के घर ले जाया गया। शोक संतप्त लोगों ने कैप्टन प्रांजल के पार्थिव शरीर के पास जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र से सांसद डी. के सुरेश और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने भी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके बाद, शहीद कैप्टन प्रांजल को सेना और राज्य सरकार द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए कुडलू गेट स्थित श्मशान घाट ले जाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में बुधवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन प्रांजल के परिवार में पत्नी और माता-पिता हैं। वह 63 राष्ट्रीय राइफल्स में अधिकारी थे। उनके पार्थिव शरीर के कल रात यहां एचएएल हवाई अड्डा पर पहुंचने के बाद कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी।

सिद्दरामैया ने शोक प्रकट करते हुए शहीद के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया। शहीद कैप्टन के अंतिम संस्कार के मद्देनजर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मंजूरी वापस लेने के मंत्रिमंडल के फैसले को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया है।

मेंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक एम वेंकटेश के बेटे प्रांजल ने अपनी स्कूली शिक्षा दक्षिण कन्नड़ जिले के सुरतकल में पूरी की थी। इंजीनियरिंग और अन्य पढ़ाई पूरी करने के बाद, वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हो गए और सेना में भर्ती हो गए।

टेट्रा पैक शराब का विरोध करेंगे : पीएमके

चेन्नई। पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर वह टेट्रा पैक अल्कोहल पेश करने की कोशिश करती है तो भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टेट्रा पैक में बेची जाने वाली शराब छात्रों को शराब पीने के लिए प्रोत्साहित करेगी। अंबुमणि ने एक बयान में कहा कि उत्पाद एवं निषेध विभाग के मंत्री मुथुसामी ने संकेत दिया है कि कांच की बोतलों के स्थान पर टेट्रा पैक में शराब पर एक घोषणा जल्द की जा सकती है। उन्होंने कहा था कि इस कदम से राज्य में पूर्ण शराबबंदी में देरी होगी। यह सच है कि टेट्रा पैक में शराब बेचने से पर्यावरण और वन्यजीवों पर प्रभाव कम होगा। अंबुमणि ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सिफारिश की है कि कोई भी उत्पाद जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है उसे कम कीमत पर नहीं बेचा जाना चाहिए।

दो घंटे के अंदर 29 लोगों को काटने वाले कुत्ते की हत्या

स्वास्थ्य मंत्री जनगणना कराने की बनाई योजना

चेन्नई। यहां के जीए रोड इलाके में दो घंटे के अंदर 29 लोगों को काटने वाले एक कुत्ते की बीते मंगलवार को पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी. जांच के दौरान पता चला कि यह कुत्ता रेबीज से संक्रमित था। मंगलवार को जिन 29 लोगों को कुत्ते ने काटा उनमें पांच बच्चे थे। उनमें से कुछ कुत्ते से बचने की कोशिश में सड़क पर गिरकर घायल हो गए और परिणामस्वरूप उन्हें सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिन लोगों पर कुत्ते ने हमला किया, उन्हें एंटी-रेबीज वैक्सीन की शुरुआती खुराक दी गई। इस बीच रोयापुरम इलाके में रेबीज संक्रमित कुत्ते द्वारा 29 से ज्यादा लोगों को काटने पर तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम का कहना है कि हमने चेन्नई में कुत्तों की संख्या गिनने के लिए जनगणना कराने की योजना बनाई है। डरने की जरूरत नहीं है।

घरेलू मुख्य कोचों के लिये क्रेग फुल्टोन का कोचिंग सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने 13वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग ले रही सदस्य ईकाइयों के मुख्य कोचों के लिये एक कोचिंग सत्र आयोजित किया। यह सत्र यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर शुक्रवार को आयोजित किया गया। इससे कोचों को एक दूसरे का ज्ञान और अनुभव बांटने का मौका मिला।

फुल्टोन ने विज्ञप्ति में कहा, ''मैं घरेलू कोचों से बात करके बहुत संतुष्ट हूं। हमने आपसी चर्चा से बहुत कुछ सीखा। कोचिंग का स्तर लगातार बेहतर करते रहने की जरूरत है। इससे खिलाड़ियों को भविष्य के लिये खुद

को तैयार करने में काफी मदद मिलेगी।'' इसमें भाग लेने वाले प्रमुख कोचों में सुमित बाथम (झारखंड), विनय किशोर (उत्तराखंड), दलजीत सिंह (पंजाब), मुकेश कुमार (हरियाणा) , येंडाला सागर (तेलंगाना), सतेंदर शर्मा (दिल्ली), एम रिनाश मेतेइ (मणिपुर) और दीपक सैनी (अरूणाचल प्रदेश) शामिल थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सार्वजनिक क्षेत्र का पांचवा सबसे बड़ा बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को अपना 105वां स्थापना दिवस मनाया। सेठ सीताराम पोद्दार ने वर्ष 1919 में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की थी। इस अवसर पर बैंक के आंचलिक कार्यालय, बेंगलूरु, जिसके शहर में तीन क्षेत्रीय कार्यालय हैं, द्वारा टाउन हॉल में शुक्रवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंचल प्रमुख नवनीत कुमार ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में यूनियन बैंक की गौरवपूर्ण यात्रा के बारे बताया और सर्वोत्तम ग्राहक सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की जिसके बैंक वर्षों से जाना जाता है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राहक और स्टाफ ने अपने परिवार के साथ भाग लिया। इस दौरान बैंक के एमडी सीईओ, सुश्री ए मनिमेखलै ने ऑन लाइन के माध्यम से बैंक की विभिन्न पहलुओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैंक के पाँच नए उत्पाद 'यूनियन उड़ान, कार्ड लेस कैश, यूनियन पे प्लस, यूनियन डिजिटल किसान तत्काल, यूनियन पी एम सुनिधि' का शुभारंभ किया। इस अवसर रंगारंग सांकृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था ।

इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएएम) का 62वां वार्षिक सम्मेलन 23 से 25 नवंबर तक इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएएम), बेंगलूरु में आयोजित किया गया।

इस साल के सम्मेलन की थीम 'एयरोस्पेस मेडिसिन: ताकत, समर्थन और समाधान' था। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया था। उन्होंने अपने भाषण में आईएसएएम के सभी दिग्गजों के योगदान को स्वीकार किया और वायुसेना के साथ अपनी करीबी साझेदारी पर जोर दिया। सम्मेलन में लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भौतिक रूप से और लगभग 100 प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन भाग लिया। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान, चिकित्सा सेवा महानिदेशक (एयर) एयर मार्शल आर राधिश और मुख्यालय प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशकों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्मेलन में विभिन्न विशिष्ट भाषण दिए गए।बता दें कि प्रतिष्ठित सुब्रतो मुखर्जी मेमोरियल ओरेशन की स्थापना साल 1972 में पहले भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी के सम्मान में की गई थी।

डॉ. राजा रमन्ना, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, माधवन नायर, डॉ. नरेश त्रेहान और विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) जैसी कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने अतीत में यहां व्याख्यान दिए थे। इस साल के सुब्रतो मुखर्जी मेमोरियल ओरेशन में भारतीय क्रिकेटर डॉ. सैयद मुजतबा हुसैन किरमानी ने 'दो दशकों तक अंतरराष्ट्रीय खेल खेलना' विषय पर भाषण दिया। एयर वाइस मार्शल श्रीनागेश मेमोरियल ओरेशन एयर मार्शल पवन कपूर (से.नि.) द्वारा 'रोगी सुरक्षा: एयरोस्पेस सुरक्षा से सबक लेना' विषय पर दिया गया।

जेएचएफ मानेकशॉ पैनल चर्चा का संचालन दो प्रतिष्ठित वक्ताओं श्रीकांत कोंडापल्ली ने 'चीन का मनोवैज्ञानिक युद्ध' और एयर वाइस मार्शल दीपक गौड़ (सेवानिवृत्त) ने 'ओपीटीआरएएम- एक क्रांति का विकास' पर किया। सम्मेलन के दौरान वैज्ञानिक सत्रों और पैनल चर्चाओं की शृंखला में विविध विषयों को शामिल किया गया। इनमें एयरोस्पेस फिजियोलॉजी, क्लिनिकल और ऑपरेशनल एयरोस्पेस मेडिसिन, ह्यूमन इन स्पेस प्रोग्राम, सिविल एविएशन मेडिसिन और एयरोमेडिकल निर्णय लेना शामिल है।

इसके अलावा, सम्मेलन ने इंटरैक्टिव सत्र, चर्चा और विचार-विमर्श के लिए उत्कृष्ट अवसर दिया। इस मंच पर सूचना, विचारों और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान से एयरोस्पेस क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा को आगे बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

सम्मेलन में लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भौतिक रूप से और लगभग 100 प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन भाग लिया। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान, चिकित्सा सेवा महानिदेशक (एयर) एयर मार्शल आर राधिश और मुख्यालय प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशकों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

हमारे सामने एआई के नैतिक इस्तेमाल को लेकर मौलिक प्रश्न हैं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि

किसी व्यक्ति की पहचान और सरकार द्वारा इसे दी गई मान्यता उसे मिलने वाले संसाधनों और शिकायतें करने एवं अपने अधिकारों की मांग करने की उसकी क्षमताओं में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने साथ ही कहा कि कृत्रिम मेधा के युग में हमारे सामने इन प्रौद्योगिकियों के नैतिक इस्तेमाल को लेकर मौलिक प्रश्न हैं।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 36वें 'द लॉ एसोसिएशन फॉर एशिया एंड द पैसिफिक' (एलएडब्ल्यूएएसआईए) सम्मेलन के पूर्ण सत्र को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए 'पहचान, व्यक्ति और सरकार-स्वतंत्रता के नए रास्ते'' विषय पर बात की। एलएडब्ल्यूएएसआईए वकीलों, न्यायाधीशों, न्यायविदों और कानूनी संगठनों का एक क्षेत्रीय संघ है, जो एशिया प्रशांत कानूनी प्रगति के हितों और चिंताओं की वकालत करता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आजादी स्वयं के लिए निर्णय लेने और अपने जीवन की दिशा बदलने की क्षमता देती है। उन्होंने कहा, जबकि सरकार और स्वतंत्रता के बीच संबंध को व्यापक रूप से समझा गया है, लेकिन पहचान और स्वतंत्रता के बीच संबंध स्थापित करने और समझाने का कार्य अभी अधूरा है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि स्वतंत्रता को परंपरागत रूप से किसी व्यक्ति के चयन करने के अधिकार में सरकार का हस्तक्षेप नहीं करने के तौर पर समझा जाता है, लेकिन समकालीन विद्वान इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सामाजिक पूर्वाग्रहों और पदानुक्रमों को बनाए रखने में सरकार की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, ''वास्तव में, चाहे सरकार हस्तक्षेप न करे, लेकिन वह सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत समुदायों को उन समुदायों पर प्रभुत्व स्थापित करने की स्वत: अनुमति दे देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं।''

बुजुर्ग महिला से 1 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में निजी बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

चेन्नई। सिटी पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने शुक्रवार को एक निजी बैंक की पूर्व कर्मचारी 39 वर्षीय महिला को स्टॉक ट्रेडिंग फर्म में अपना पैसा निवेश करने का लालच देकर एक बुजुर्ग महिला से 1 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चूलाईमेडु की वी जयश्री के रूप में हुई। पुलिस ने कोराट्टूर की पूर्णिमा नीथू की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। उनकी शिकायत के अनुसार, उनकी मां, संतकुमारी (66) का परिचय आरोपी से तब हुआ जब वह अन्ना नगर में एक निजी बैंक में काम करती थीं। जयश्री पर विश्वास करके महिला ने 2019 से 2021 तक कई किश्तों में 2.65 करोड़ रुपये का निवेश किया।

हालांकि, जयश्री ने लाभ के रूप में केवल 64 लाख रुपये लौटाए और निवेश की गई राशि वापस नहीं की जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। जांच के बाद सीसीबी ने आरोपों में सच्चाई पाई और शुक्रवार को जयश्री को गिरफ्तार कर लिया। उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मोदी 27 को तिरुमला जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार रात को तिरुमला मंदिर आयेंगे और सोमवार को तिरुमला मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। जिला कलेक्टर के वेंकटरमण रेड्डी ने शनिवार को यहां बताया कि मोदी दो दिवसीय यात्रा पर रविवार रात 1945 बजे तिरुमला पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 26 नवंबर को शाम 17:55 बजे हैदराबाद के डिंडीगुल एयर बेस से रेनिगुंटा हवाई अड्डे पहुंचेंगे। यहां से वह सड़क मार्ग से 1945 बजे तिरुमला पहुंचेंगे। अगले दिन सोमवार को सुबह 07.50 बजे वह स्वामीवारी दर्शन करेंगे और पूजा-अर्चना करेंगे।

घरेलू मुख्य कोचों के लिए क्रेग फुल्टोन का कोचिंग सत्र

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने 13वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग ले रही सदस्य ईकाइयों के मुख्य कोचों के लिये एक कोचिंग सत्र आयोजित किया। यह सत्र यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर शुक्रवार को आयोजित किया गया। इससे कोचों को एक दूसरे का ज्ञान और अनुभव बांटने का मौका मिला।

फुल्टोन ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं घरेलू कोचों से बात करके बहुत संतुष्ट हूं। हमने आपसी चर्चा से बहुत कुछ सीखा। कोचिंग का स्तर लगातार बेहतर करते रहने की जरूरत है। इससे खिलाड़ियों को भविष्य के लिये खुद को तैयार करने में काफी मदद मिलेगी।'

राजस्थान में राज्यपाल व मुख्यमंत्री सहित तमाम नेताओं ने वोट डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की 199 सीट के लिए जारी मतदान के बीच राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्यपाल कलराज मिश्र और प्रथम महिला सत्यवती मिश्र ने जयपुर के सी स्कीम इलाके में एक मतदान केंद्र पर वोट डाला। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर के एक मतदान केंद्र पर सपरिवार वोट डालने पहुंचे। वोट डालने के बाद उन्होंने 'विजय' का निशान बनाते हुए दावा किया राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी जयपुर में एक मतदान केंद्र पर वोट डाला। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र नाथद्वारा में मतदान किया। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने चित्तौड़गढ़ में, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने जोधपुर, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने बालोतरा में वोट डाला। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया अपनी पत्नी अनीता कटारिया के साथ उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बूथ पर मतदान करने पहुंचे।

राज्य के प्रशासनिक अमले के आला अधिकारियों ने भी मतदान किया। राज्य की मुख्य सचिव उषा शर्मा व पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने जयपुर में मतदान किया। राजस्थान में विधानसभा की 199 सीट के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। मतदान के लिए कुल 36,101 स्थानों पर 50 हजार से अधिक मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जहां 5,26,90,146 मतदाता हैं। कुल 1862 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। अधिकारियों के अनुसार, मतदान शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए राजस्थान पुलिस के 70,000 जवानों सहित 1.70 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं, मतदान प्रक्रिया में कुल 2,74,846 मतदान कर्मी शामिल हैं। राज्य में विधानसभा की कुल 200 सीट हैं लेकिन गंगानगर जिले की करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद वहां चुनाव स्थगित कर दिया गया है।'

नेताओं को विरोधियों की भी आलोचना संयमित भाषा में करनी चाहिए : सचिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नेताओं को अपने प्रतिद्वंद्वियों की आलोचना भी संयमित भाषा में करनी चाहिए। पायलट ने कहा कि उनके खिलाफ बहुत कुछ कहा गया है लेकिन उन्होंने अपना संयम नहीं खोने की कोशिश की। पायलट की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने परोक्ष रूप से पायलट की ओर इशारा करते हुए कहा था, गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है। पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद 'शाही परिवार' की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल करके फेंक दिया जाता है।

इससे पहले दिन में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पायलट का एक वीडियो संदेश अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर

साझा किया जिसमें वह लोगों से वोट देने की अपील कर रहे हैं। गौरतलब है कि गहलोत 2020 के राजनीतिक संकट के दौरान पायलट के लिए 'नकारा' व 'निकम्मा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं। टोंक में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने कहा कि जैसे-जैसे मतदान नजदीक आ रहा है, सचिन पायलट प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री गहलोत के लाडले बन गए हैं। इस पर पायलट ने कहा कि जनता का लाडला बनना चाहिए।

उन्होंने कहा, लाडला अगर किसी को बनना है तो जनता का बनना चाहिए। त्याग, तपस्या, समर्पण सेवा और लगातार जनता के बीच में रहकर जो रिश्ता कायम होता है वो ही सबसे बडी पूंजी नेता की होती है। पायलट ने कहा, और मैं उसी दिशा में काम करा हूं। इसी प्रकार के मेरे संस्कार बचपन से हैं। कांग्रेस नेता ने बिना किसी का नाम लिए कहा, बहुत कुछ कहा गया। बहुत से आरोप लगाए गए लेकिन मैंने अपना संयम ना खोने की...हमेशा जनता के बीच एक मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की कोशिश की है।'

उन्होंने कहा, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए...विरोधियों की भी अगर आलोचना करनी है तो संयमित भाषा से करनी चाहिए। मोदी की टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि किसी भी नेता को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। पायलट ने कहा, मेरी चिंता करने की जरूरत नहीं है, मेरी चिंता मेरी पार्टी, जनता करेगी और हम उसके प्रति समर्पित हैं।

पायलट ने भरोसा जताया कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत होगी। उल्लेखनीय है कि गुर्जर समुदाय से आने वाले पायलट 2018 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे। विधानसभा चुनवा में पार्टी को बहुमत मिलने के बाद ही पायलट और गहलोत में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान शुरू हो गई। पार्टी आलाकमान ने गहलोत को मुख्यमंत्री बनाया जबकि पायलट को उपमुख्यमंत्री पद दिया गया। जुलाई 2020 में गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावत करने के बाद पायलट को उपमुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने कहा कि 'सबकुछ ठीक' हो गया है। दोनों नेताओं ने भी यह कहा कि अतीत की बातों को भूल जाना चाहिए।

भाजपा उम्मीदवार ने लगाया फर्जी मतदान कराने का आरोप

अलवर/वार्ता

राजस्थान में अलवर के सांसद और तिजारा से भारतीय जनता पार्टी)भाजपा) प्रत्याशी महंत बालक नाथ ने आज शहर में हसन का मेवात नगर स्थित वाणिज्य कर विभाग कार्यालय में बने बूथ पर अपना वोट डाला।

महंत बालक नाथ ने इस दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि तिजारा में भारी संख्या में फर्जी मतदान होने की आशंका बनी हुई है। क्योंकि यहां के काफी लोग जमात में गए हुए हैं। कुछ लोग बाहर कमाने हुए हैं। उनके भी वोट डाले जाएंगे। इसके मतलब यहां फर्जी पोलिंग होगी। इसके लिए बूथ बार जिला प्रशासन को लिखित में दे दिया गया है। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति फर्जी मतदान ना करें वरना इसका उसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। महंत बालक नाथ ने बताया कि भारत के लोग भाग्य विधाता है, प्रदेश की जनता अंतरात्मा से सुशासन विकास एवं बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी को वोट करेगी। पिछले 5 साल से राजस्थान की जनता कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने का सपना संजोए हुए हैं।

झालावाड़ में शनिवार को वोट डालने से पहले झालावड़ स्थित राडी के बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

तीन दिसंबर को राजस्थान में खिलेगा कमल, 'अंडर करंट' भाजपा के पक्ष में : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को भरोसा जताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत होगी और तीन दिसंबर को मतगणना के बाद कमल खिलेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अंडर करंट संबंधी बयान पर टिप्पणी करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा, मैं उनसे सहमत हूं। वास्तव में 'अंडर करंट' है लेकिन भाजपा के पक्ष में है। तीन दिसंबर को कमल खिलेगा। इससे पहले गहलोत ने जोधपुर में कहा था कि ऐसा लगता है कि एक अंडर करंट है और राज्य में कांग्रेस की सरकार दोबारा बनेगी। राजे ने मतदाताओं, विशेषकर नये मतदाताओं से वोट डालने का आह्वान किया।

राज्य के 200 विधानसभा क्षेत्रों में से 199 पर मतदान आज सुबह सात बजे शुरू हुआ। मतगणना तीन दिसंबर को होगी। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश मिलेगा। जोशी ने चित्तौड़गढ़ में 'पीटीआई भाषा' से कहा, कांग्रेस ने पांच साल के अपने शासन काल में लोगों को धोखा दिया और केवल भ्रष्टाचार किया। मतदाता आज मतदान में इसका जवाब देंगे।

उन्होंने कहा, सत्ता में आने के बाद, कांग्रेस वादे भूल गई। उसने केवल भ्रष्टाचार किया है और लोगों को धोखा दिया है।

इसी तरह भाजपा के सांसद व झोटवाड़ा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रहे राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मतगणना के दिन सब कुछ साफ हो जाएगा। गहलोत के अंडर करंट वाले बयान को लेकर उन्होंने कहा, शायद उन्हें मतगणना के दिन करंट महसूस हो।

आशीर्वाद

जोधपुर में शनिवार को मतदान करने के उपरांत बड़ी बहन विमला देवी से मिलकर विजय का आशीर्वाद लेते मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

संविधान देश का सर्वोच्च विधान ही नहीं भारतीय संस्कृति का प्रतिबिम्ब : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा पवित्र ग्रंथ भर नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति से जुड़ा दर्शन और उदात्त जीवन मूल्यों का प्रतिबिम्ब है। मिश्र ने संविधान दिवस (26 नवम्बर) की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आज यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। उन्होंने कहा कि नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा हमारा संविधान देश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का घोषणा पत्र है। संविधान की आस्था 'लोकतंत्रात्मक शासन पद्धति' में है।

उन्होंने कहा कि देश में संविधान लागू कर उसे अंगीकृत करने के पीछे मंशा यही रही है कि हम सभी भारतीयों को सार्वभौम जनतांत्रिक गणतंत्र का आदर्श मिल सके। राज्यपाल मिश्र ने संविधान दिवस पर संविधान से जुड़ी संस्कृति और इससे जुड़े अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों का उदात्त अधिकाधिक प्रसार किए जाने का आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि मिश्र ने राजस्थान में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निरंतर संविधान संस्कृति के प्रसार में महती भूमिका निभाई है। उन्हीं की पहल पर राजभवन, राजस्थान में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है।

कांग्रेस ने की सात 'गारंटी' राजस्थान में 'मास्टर स्ट्रोक' साबित होंगी : वैभव गहलोत

जोधपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने सात 'गारंटी' का राजस्थान के लोगों से जो वादा किया है, वह 'मास्टर स्ट्रोक' साबित होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि 'लाल डायरी' को लेकर उनके पिता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर लगे आरोप मनगढ़ंत हैं। वैभव गहलोत ने वोट डालने जाने से पहले जोधपुर में संवाददाताओं से कहा, 'सात गारंटी कांग्रेस के लिए 'मास्टर स्ट्रोक' साबित होंगी।'

उन्होंने 'लाल डायरी' को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'ये बातें मनगढ़ंत हैं इसलिए इनका जवाब देने की जरूरत नहीं है।' भाजपा नेताओं ने 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा है कि इसमें कथित तौर पर गहलोत के अवैध लेनदेन का ब्यौरा है। बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इस साल जुलाई में आरोप लगाया था कि उनके पास वह 'लाल डायरी' है जो उन्होंने 2020 में कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के आवास से हासिल की थी। वैभव ने कांग्रेस के दोबारा सरकार बनाने का भरोसा जताते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को एहसास हो गया है कि उनकी पार्टी को हार का सामना करना पड़ रहा है।

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए विवेकाधीन कोष से मिलेगी भरपूर मदद : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने के बाद अधिकारियों को हर जरूरतमंद को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा, ''जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।'' बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया।

तेलंगाना में 'मुस्लिम आरक्षण' असंवैधानिक: योगी

हैदराबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना में ''मुस्लिम आरक्षण'' डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान का अपमान है। तेलंगाना के कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुसलमानों को आरक्षण ''असंवैधानिक'' है और इसे किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस, दोनों ही दल देश को एक नए विभाजन की ओर ले जाना चाहते हैं।

योगी ने कहा, ''तुष्टीकरण की राजनीति का गंदा खेल अब तेलंगाना में देखा जा सकता है। जब बीआरएस सरकार मुस्लिम आरक्षण की घोषणा करती है तब हमने तेलंगाना में देखा कि एक सरकार समाज को विभाजित करने के लिए किस हद तक जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि ''मुस्लिम आरक्षण'' अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उनके अधिकारों से वंचित करने की साजिश का हिस्सा है। योगी ने कहा कि यह डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान का अपमान है। तेलंगाना में लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा की सरकार बनती है तो वह धर्म-आधारित ''असंवैधानिक'' आरक्षण को खत्म कर देगी और ओबीसी, अनुसूचित जाति-जनजाति को इसका लाभ देगी।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर हमला करते हुए योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं, किसानों और महिलाओं से किए गए चुनावी वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दिया है।

झारखंड में भाकपा (माओवादी) का उप क्षेत्रीय कमांडर गिरफ्तार

चतरा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है और उसके कब्जे से आईईडी व डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बबन भोक्ता उर्फ बबन जी नामक माओवादी को शुक्रवार को राज्य की राजधानी रांची से लगभग 200 किलोमीटर दूर प्रतापपुर इलाके के नौकाडीह गांव से पकड़ा गया। चतरा के पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कहा कि उसके पास से दो आईईडी, 20 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर और अन्य वस्तुएं बरामद हुई हैं।

एसपी रंजन ने कहा, हमें जानकारी मिली थी कि बबन संगठन का विस्तार करने और कुछ अभियान को अंजाम देने के इरादे से नौकाडीह गांव में अपने घर आया है।

एसपी ने कहा कि एक विशेष टीम ने शुक्रवार को छापा मारकर प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के स्वयंभू उप क्षेत्रीय कमांडर को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने कहा कि बबन बीते 12 वर्ष से संगठन में सक्रिय था और पांच मामलों में वांछित था।

पंजाब: पटियाला में रेल पटरियों पर पूर्व सैनिकों का धरना, कई ट्रेन की आवाजाही प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। पूर्व सैनिकों का एक समूह 'वन रैंक वन पेंशन' (ओआरओपी) योजना में कथित विसंगतियों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली जाने से रोके जाने पर पटियाला के शंभू रेलवे स्टेशन पर रेल की पटरियों पर बैठकर धरना देना शुरू कर दिया जिससे कई ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई है।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन के कारण इस खंड पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ पूर्व सैनिकों ने कहा कि वे परिवहन के विभिन्न साधनों के माध्यम से शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी की ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें शंभू सीमा के रास्ते हरियाणा में प्रवेश करने से रोक दिया।

जीआरपी के एक अधिकारी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली, जम्मू और अमृतसर की ओर जाने वाली कई ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई।

अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस पूर्व सैनिकों को धरना खत्म करने के लिए मनाने की कोशिश कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि करीब 250 पूर्व सैनिक सुबह शंभू रेलवे स्टेशन पर धरने पर बैठ गये, लेकिन बाद में उनकी संख्या बढ़ गई।

तेजस पर पहले की सरकारों के प्रयासों को भी स्वीकार किया जाना चाहिए: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शनिवार को तेजस विमान से उड़ान भरे जाने के बाद उन पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि ''चुनावी तस्वीरें खिंचवाने के उस्ताद'' को इस हल्के लड़ाकू विमान के लिए पहले की सरकारों के दौरान किए गए प्रयासों को भी स्वीकार करना चाहिए था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि तेजस भारत की उस स्वदेशी वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता एवं दक्षता के प्रति एक और सम्मान है जो दशकों से मजबूती के साथ तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को तेजस विमान से उड़ान भरी और कहा कि इस अनुभव से देश की स्वदेशी क्षमताओं पर उनका भरोसा बढ़ा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, ''तेजस से सफलतापूर्वक उड़ान भरी।' रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तेजस हमारी उस स्वदेशी वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता एवं दक्षता के प्रति एक और सम्मान है जो दशकों से मजबूती के साथ तैयार की गई है। तेजस को उस 'एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी' (एडीए) द्वारा तैयार किया गया है जिसे 1984 में स्थापित किया गया था और जिसने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेटरीज (एनएएल), भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना के साथ मिलकर काम किया।'' उन्होंने कहा, ''हल्के लड़ाकू विमान के डिजाइन को छह साल बाद अंतिम रूप दिया गया। अंततः 2011 में परिचालन मंजूरी प्रदान की गई। निस्संदेह, कई अन्य महत्वपूर्ण मील के पत्थर भी हैं।'' कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर दावा किया, '' 'चुनावी फोटो-ऑप्स के मास्टर' (चुनावी तस्वीरें खिंचवाने के उस्ताद) को 2014 से पहले के उन प्रयासों को स्वीकार करने में कुछ खर्च नहीं करना पड़ता जो उनके द्वारा श्रेय लिए जाने के संदर्भ में आवश्यक थे।''

मोदी को लेकर राहुल गांधी की 'पनौती' संबंधी टिप्पणी 'शर्मनाक' : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ''पनौती'' संबंधी टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार देते हुए शनिवार को कहा कि लोग आगामी विधानसभा चुनावों में इसका करारा जवाब देंगे।

शाह ने कहा, ''देश के किसी भी राज्य में प्रधानमंत्री के बारे में जब भी अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया गया, लोगों ने उसका करारा जवाब दिया है। मुझे भरोसा है कि तेलंगाना के मतदाता इस तरह की शर्मनाक भाषा के इस्तेमाल का मतदान के जरिए उचित जवाब देंगे।'' उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान की गई 'पनौती' संबंधी टिप्पणी को लेकर संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह कहा। राहुल गांधी ने क्रिकेट विश्व कप में भारत की हार के बाद राजस्थान में अपने चुनावी भाषण के दौरान मोदी के लिए ''पनौती'' शब्द का इस्तेमाल किया था। भारतीय टीम क्रिकेट विश्वकप में लगातार 10 मैच में जीत हासिल करने के बाद फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार गई थी। इस मैच को देखने प्रधानमंत्री भी गए थे।

चिदंबरम ने चुनाव के दौरान जांच एजेंसियों के 'दुरुपयोग' को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह दुरुपयोग इतना स्पष्ट है कि अदालत में इसके लिए किसी दलील की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव के बीच में ही कांग्रेस के कम से कम चार उम्मीदवारों को केंद्रीय एजेंसियों ने तलब किया, लेकिन भाजपा के किसी उम्मीदवार के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

तेलंगाना में सभी 119 विधानसभा सीट के लिए आगामी 30 नवंबर को मतदान होना है। मतगणना तीन दिसंबर को होगी। चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कम से कम चार कांग्रेस उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के बीच में जांच एजेंसियों द्वारा तलब किया गया या उनके कई परिसर की तलाशी ली गई। उनमें से एक (जी विवेकानंद) भाजपा की घोषणापत्र समिति के पूर्व अध्यक्ष थे जिन्होंने एक नवंबर को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। जहां तक मेरी जानकारी है, एजेंसियों ने भाजपा के किसी भी उम्मीदवार के परिसर की तलाशी नहीं ली है।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''यह स्पष्ट है कि भाजपा के सभी उम्मीदवारों को देवताओं द्वारा चुना गया है और उन पर दैवीय आशीर्वाद है। दरअसल, अगर भाजपा चुनी गई तो वह तेलंगाना के लोगों को सीधे स्वर्ग की सैर कराएगी।''

कांग्रेस ने तेलंगाना में भाजपा के टायर पंचर किए, दिल्ली में भी ऐसा ही करेंगे: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने चुनावी राज्य तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चारों टायर पंचर कर दिए हैं और जल्द ही दिल्ली में भी ऐसा करेगी। तेलंगाना में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख चंद्रशेखर राव को यह एहसास होना चाहिए कि यह कांग्रेस ही थी जिसने उस विद्यालय और विश्वविद्यालय का निर्माण किया जिसमें उन्होंने पढ़ाई की।

गांधी ने कहा कि आगामी चुनाव में मुकाबला 'दोराला' (सामंती) और 'प्रजाला' (जनता के) के बीच है। गांधी ने कहा कि लोगों ने गरीब और किसान समर्थक सरकार का सपना देखा, जबकि राव ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा, ''केसीआर पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने किया क्या है। केसीआर... जिस विद्यालय में आपने पढ़ाई की और जिस विश्वविद्यालय में आपने पढ़ाई की, उनका निर्माण कांग्रेस पार्टी ने किया था। जिस हवाई अड्डे से आपका विमान उड़ान भरता है वह कांग्रेस द्वारा बनाया गया था। बाहरी रिंग रोड, जिस पर आपके वाहन चल रहे हैं, कांग्रेस द्वारा बनाया गया था।'' गांधी ने तेलंगाना के गठन का पूरा श्रेय भी अपनी पार्टी (कांग्रेस) को दिया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने हैदराबाद को दुनिया में एक प्रमुख आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) केंद्र में बदल दिया।'' केसीआर परिवार पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि उनके पास ''पैसा बनाने वाले सभी विभाग'' हैं। कालेश्वरम सिंचाई परियोजना का जिक्र करते हुए गांधी ने राव पर इसमें एक लाख करोड़ रुपये की लूट करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस विधायकों पर दलित बंधु योजना के लाभार्थियों से तीन लाख रुपये की रिश्वत लेने और कम्प्यूटरीकरण तथा धरणी के नाम पर जमीन हड़पने का भी आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने कार्यकाल के दौरान गरीबों को अधिकार के साथ जमीन वितरित की थी।

कांग्रेस की उप्र इकाई के लिए 16 उपाध्यक्षों समेत 130 पदाधिकारी नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को अपनी उत्तर प्रदेश इकाई के लिए 16 उपाध्यक्षों समेत 130 पदाधिकारियों की नियुक्ति की।

पार्टी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन पदाधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लिए कुल 16 उपाध्यक्ष, 38 महासचिव और 76 सचिव नियुक्त किए गए हैं।

नवनियुक्त उपाध्यक्षों में राज्य इकाई के वरिष्ठ नेता सुहेल अंसारी, दिनेश कुमार सिंह, सुशील पासी और शरद मिश्रा शामिल हैं।

भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केशव चंद यादव को भी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस ने अनिल यादव, तनुज पुनिया और सैफ अली नकवी जैसे कई युवा नेताओं को अपनी उत्तर प्रदेश इकाई का महासचिव नियुक्त किया है। तनुज पूर्व सांसद पी एल पुनिया और सैफ पूर्व सांसद जफर अली नकवी के पुत्र हैं।

कांग्रेस ने कुछ सप्ताह पहले पूर्व मंत्री अजय राय को पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

कुकी-जो समुदाय के 3 विधायकों को मणिपुर विस की समितियों के अध्यक्ष पद से हटाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इम्फाल/भाषा। कुकी-जो समुदाय से आने वाले मणिपुर के तीन विधायकों को राज्य विधानसभा की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। आधिकारिक अधिसूचनाओं में यह जानकारी दी गई है।

विधानसभा के एक बुलेटिन में कहा गया है कि मायांगलमबम रामेश्वर को विधानसभा अध्यक्ष ने सार्वजनिक उपक्रम समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह पद पहले एल. एम. खौटे के पास था, जो चुराचांदपुर सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। मायांगलमबम काकचिंग विधानसभा क्षेत्र से नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के विधायक हैं। एक अन्य बुलेटिन में कहा गया कि माओ निर्वाचन क्षेत्र से नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक लोसी दिखो को सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। यह पद पहले सैतू निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय विधायक हाओखोलेट किपगेन के पास था। चुराचांदपुर जिले के थानलॉन निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे के स्थान पर लामलाई से भाजपा विधायक के इबोम्चा को विधानसभा पुस्तकालय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा की शुरुआत के दौरान भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद वाल्टे गंभीर रूप से घायल हो गये थे। नियुक्तियों से संबंधित बुलेटिन बुधवार को जारी किए गए थे।

मणिपुर में हमले में ग्रामीण स्वयंसेवक की मौत : मणिपुर के कांगपोकपी जिले में अज्ञात लोगों के साथ मुठभेड़ में ग्रामीण स्वयंसेवक की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कि घटना देर रात करीब दो बजकर 30 मिनट पर हुई।

प्रयागराज में हर्ष फायरिंग में तीन बच्चे समेत चार घायल

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज जिले में गंगापार सराय इनायत थानाक्षेत्र के चक मुजम्मिल गांव में बारात वापस लौटने पर हर्ष फायरिंग के दौरान बंदूक में फंसी गोली निकालते समय चल जाने से तीन बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए।

सराय इनायत थाने के प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि शुक्रवार को शादी होने के बाद शिव प्रकाश की बारात चक मुज़म्मिल गांव लौटी थी और परिवार में जश्न का माहौल था, उसी दौरान दुल्हन के गृह प्रवेश के दौरान रिश्तेदार प्रकाश सरोज ने लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग की। हर्ष फायरिंग करते समय गोली बंदूक में फंस गई और उसे निकालते समय वह फट गई जिसके छर्रे की चपेट में आने से तीन बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल हुए 12 वर्षीय विजय, 10 वर्षीय भाविक, 10 वर्षीय रक्षित और 40 वर्षीय सुषमा को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और हर्ष फायरिंग करने के आरोपी प्रकाश सरोज के खिलाफ तहरीर प्राप्त कर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

प्रयागराज में पुलिस मुठभेड़ में 10000 के इनामी दो गो तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज में धूमनगंज थानाक्षेत्र के कसरिया गांव में शनिवार को पुलिस मुठभेड़ में दो कथित गो तस्करों गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुठभेड़ में इन अभियुक्तों के पैर में गोली लगी। पुलिस उपायुक्त (नगर) दीपक भूकर ने बताया कि शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि 10,000 रुपये के इनामी दो अपराधी- खुशरो और ताहा कसरिया गांव में छिपे हैं जिसके बाद पुलिस ने गांव में घेराबंदी की तो इन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी जिससे वे घायल हो गए और पुलिस की टीम ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया। उनके अनुसार घायल बदमाशों के पास से दो देसी तमंचा (315 बोर), सात कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

विश्व कप फाइनल की हार के बाद प्रधानमंत्री का हमें सांत्वना देने आना बड़ी बात थी: सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी शब्दों के लिए शनिवार को उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम अगले साल टी20 विश्व कप में इसी जज्बे के साथ खेलना जारी रखेगी।

भारत पिछले रविवार को विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार गया जिससे वनडे विश्व कप में उसका 12 साल बाद ट्राफी जीतने का सपना भी टूट गया था। इस हार के बाद प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ियों को सांत्वना देने के लिए टीम के ड्रेसिंग रूम पहुंच गये थे। सूर्यकुमार इस समय आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 शृंखला में टीम की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद हम ड्रेसिंग रूम में बैठे थे और तभी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ड्रेसिंग रूम में आ गये, उन्होंने हम सभी को प्रेरणादायी शब्द कहे।'' उन्होंने कहा, ''वह हर खिलाड़ी से मिले और हमसे आगे बढ़ने की बात की जैसा कि खेल में होता है और हमें आगे बढ़ना ही होगा।''

सूर्यकुमार ने कहा, ''हमें इस हार को भुलाने में कुछ समय लगेगा लेकिन उनका पांच-छह मिनट तक सभी से प्रेरक शब्द कहना और हमसे मुलाकात करना बड़ी चीज है क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। हमने उनकी बातें ध्यान से सुनीं, उनके साथ समय बिताया और हम उनके सुझावों का अनुकरण करने का प्रयास करेंगे।''

भारत के पास अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्राफी हासिल करने का मौका होगा।

तैंतीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा, ''हम अगाामी टूर्नामेंट में अच्छा करने की कोशिश करेंगे और अगले साल आईसीसी टूर्नामेंट भी है तो हम इसी जज्बे के साथ खेलेंगे और इसे जीतने की कोशिश करेंगे।''

सूर्यकुमार ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान समर्थन करने के लिए खेल प्रशंसकों का धन्यवाद भी किया।

हरमनप्रीत के दो गोल, पंजाब सेमीफाइनल में कर्नाटक से भिड़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से पंजाब ने शनिवार को यहां मणिपुर को 4-2 से हराकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना कर्नाटक से होगा। दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को हरियाणा और तमिलनाडु के बीच खेला जायेगा। उत्तराखंड के खिलाफ पिछले मैच में हैट्रिक लगाने वाले हरमनप्रीत ने 31वें और 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किये। भारतीय फॉरवर्ड सुखजीत सिंह (20वें मिनट) और प्रदीप सिंह (छठे मिनट) ने भी टीम के लिए गोल दागे।

मणिपुर के लिए कप्तान चिंगलेनसाना सिंह ने 36वें और ऋषि युमनाम ने 45वें मिनट में गोल किये। शनिवार को दूसरे क्वार्टरफाइनल मैच में कर्नाटक ने झारखंड को 4-1 से शिकस्त दी जिसमें हरीश मुतागर ने 46वें और 49वें मिनट में, कप्तान शेशे गौड़ा ने 23वें मिनट और लिखित बेम ने 32वें मिनट में गोल किये। झारखंड के लिए सांत्वना गोल दिलबर बार्ला ने 39वें मिनट में किया। एक अन्य मैच में तमिलनाडु ने वापसी करते हुए उत्तर प्रदेश पर 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश ने मनीष साहनी के 27वें और सुनील यादव के 30वें मिनट में किये गये गोल से 2-0 से बढ़त बना ली थी। लेकिन फिर कर्नाटक ने जे केविन किशोर (33वें मिनट) और कप्तान जे जोशुआ बेनेडिक्ट वेस्ले (52वें और 59वें मिनट) की बदौलत वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

सुविचार

दुनिया का सबसे अच्छा तोहफा वक्त है, जब आप किसी को अपना वक्त देते हैं, तो आप उसे अपनी ज़िंदगी का वह पल देते हैं, जो कभी लौटकर नहीं आता।

ट्वीट

यह जनसैलाब उस बदलाव की दस्तक है जो तेलंगाना में आने जा रहा है। प्रदेश की जनता अपने बेहतर भविष्य के लिए गारंटियों वाली सरकार बनाने जा रही है। बदलाव जरूरी है, बदलाव आ रहा है।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

आज लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा और राजस्थान की प्रगति के लिए मतदान किया। आप भी इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाएं और ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करें।

-दिया कुमारी

कहानी

मुंशी प्रेमचंद

आप-बीती

साहित्यकारों की जिंदगी में एक ऐसा वक्त भी जरूर आता है, जब प्रशंसकों की तरफ से उन्हें ढेरों पत्र प्राप्त होते हैं और वो खुशी से झूम उठते हैं। यह एक ऐसा वक्त होता है जब लेखक अपनी सारी समस्याओं को भूल खुशी का अनुभव करता है। वो पत्रों के सागर में डूब जाता है और लहरों के साथ कल्पना के एक नए शिखर पर पहुंच जाता है। उस पल 'मैं भी कुछ हूं' यह महत्व महसूस होता है। कुछ ऐसा ही अनुभव मैंने सावन महीने में किया जब मुझे मेरी रचनाओं की प्रशंसाओं से भरा पत्र प्राप्त हुआ। इस पत्र में दिल खोलकर मेरी कृतियों की तारीफें की गई थी। पत्र भेजने वाले खुद एक उत्तम कवि थे। उनकी कविताएं अक्सर पत्रिकाओं में छपती थीं। मैं उनका यह पत्र पढ़कर फूला नहीं समा रहा था। मैं खुशी के मारे उसी वक्त उस पत्र का जवाब लिखने बैठ गया था। उस उत्साह में मैंने जो कुछ भी पत्र में लिखा इस समय वो याद नहीं है। हां, इतना याद है कि उस पत्र में शुरू से अंत तक प्रेम भरे मीठे शब्द लिखे थे। हालांकि, मैं कभी कविता नहीं लिखता था, लेकिन फिर भी मैं शब्दों को जितना सुंदर बना सकता था, मैंने उतना संवार दिया था। यहां तक कि पत्र लिखने के बाद जब मैंने उसे फिर से पढ़ा तो मुझे कविता बहुत पसंद आई। पूरा पत्र भाव से भरपूर था।

पांचवे दिन उसी कवि का एक और पत्र मुझे मिला। वो पहले वाले पत्र के मुकाबले और ज्यादा प्रभावी था। उसमें मुझे प्यारे भाईया कहकर पुकारा गया था। साथ ही मेरी रचनाओं की एक सूची और प्रकाशकों के बारे में उनके नाम और पते पूछे गए थे। इसके साथ ही पत्र के अंत में ये भी कहा गया था कि मेरी पत्नी आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक है और आपकी लेखन को पढ़ना पसंद करती है। साथ ही पत्र में यह भी लिखा गया था कि मेरी पत्नी पूछ रही थी कि आपकी शादी कहां हुई है, आपके बच्चे कितने हैं और आपकी कोई फोटो है, तो प्लीज भेज दीजिए। वहीं, पत्र में मेरे जन्म स्थान और वंश की भी जानकारी पूछी गई थी। पत्र के उसके अंतिम खबर ने मुझे खुश कर दिया था।

पहली बार ऐसा हुआ था जब किसी महिला ने अपने मुंह से मेरी तारीफ की थी और यह सुनने का मौका मुझे मिला था। यह सुनकर ऐसा लगा कि कोई मेरी बुरे कर्मों की तारीफ कर रहा है। उस दौरान तारीफ में जितने भी शब्द मुझे याद थे, उन सबको मैंने पत्र में लिख डाला और अपने परिवार और खानदान के विषय में ऐसा जिक्र किया कि जैसे किसी कवि ने भी कभी राजा का गुणगान नहीं किया हो। मेरे दादाजी एक जमींदार के यहां कर्मचारी थे, लेकिन उन्हें मैंने रियासत का प्रबंधक बताया था। वहीं, अपने क्लर्क पिता को मैंने दफ्तर का प्रधानाध्यक्ष बताया। पत्र में किसानी को जमींदारी बताया था। इसके अलावा, अपने लेखन की गिनती को तो बढ़ा न सका, लेकिन उनके महत्व को बड़े अच्छे से समझा दिया था। देखा जाए, तो अपनी तारीफ करना एक सिरफिरापन है, लेकिन इशारों में यह काम आसानी से किया जा सकता है। खैर पत्र खत्म हो चुका था और लेटरबॉक्स में पहुंच चुका था।

इसके बाद हफ्ते तक कोई भी पत्र नहीं आया। मैंने पत्र में अपने हिसाब से अपनी पत्नी की तरफ से भी कुछ बातें लिखी थीं। उम्मीद थी कि घनिष्ठता बढ़ेगी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि कहीं वे मुझे मतलबी और सेंटिमेंटल न समझने लगा हो। इसलिए, कोई पत्र नहीं लिखा हो। आश्विन के महीने का तीसरा पहर था। हर तरफ रामलीला का उत्साह था। मैं भी अपने एक दोस्त के घर था, वहां ताश की बाजी चल रही थी। अचानक एक व्यक्ति वहां मेरे बारे में पूछते हुए व मेरा नाम लेते हुए वहां आया और मेरे बगल की कुर्सी पर आकर बैठ गया। मैं उसे नहीं जानता था। मैं सोच में था कि आखिर कौन है ये आदमी और यहां कैसे आया। मेरे दोस्त लोग भी उन महाशय को देखकर इशारेबाजी करने लगे थे। मैंने विनम्रता के साथ उस महाशय का नाम पूछा। जवाब मिला- 'मेरा नाम उमापति नारायण है।' मैं जवाब सुनते ही खुश होकर उनके गले लग गया। यह कोई और नहीं, बल्कि वही कवि महोदय थे जिन्होंने मुझे पत्र भेजा था। मैंने उनसे उनका हाल-चाल पूछा। फिर पान और इलायची खिलाई और पूछा कि यहां कैसे आना हुआ। उन्होंने जवाब दिया, घर चलिए फिर विस्तार से बताउंगा। मैं आपके यहां से होकर आया हूं, वहां मुझे पता चला कि आप यहां हैं, तो मैं पूछता हुआ यहां आ गया। फिर मैं फौरन उनके साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उनके कमरे से निकलते ही मेरे दोस्तों ने इशारे में मुझसे पूछा कि यह साहब कौन हैं? मैंने दोस्तों को बताया कि ये मेरे नये मित्र हैं। मित्र ने कहा कि थोड़ा सावधान रहिएगा, मुझे ये थोड़े उचक्के लग रहे हैं। मैंने कहा, आपका यह अनुमान गलत है, आप आदमी को हमेशा उसके कपड़ों से जज करते हैं, लेकिन इंसान वस्त्रों में नहीं, बल्कि दिल में होता है। मित्र- खैर ये रहस्य की बात है, बाकी आप जानें मैं आपको बस सावधान कर रहा हूं।

मैंने मित्र की बात पर कोई जवाब न दिया और और उमापति जी को लेकर अपने घर आ गया। मैंने उनके लिए बाजार से खाना मंगवाया। इस दौरान उन्होंने अपनी कई सारी कविताएं मुझे सुनाई। कविताएं सुनाते वक्त उनकी आवाज बहुत मनोहर और मीठी लग रही थी। हालांकि, कविताएं तो मुझे समझ नहीं आईं, लेकिन मैंने उनकी कविताओं की तारीफ के पुल बांध दिये। मैं खुशी के मारे उनकी कविताओं की वाह-वाही करने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे मानों मुझसे बढ़कर कोई काव्य प्रेमी नहीं है। शाम के वक्त हम दोनों रामलीला देखने गए। वहां से लौटकर आने के बाद मैंने उन्हें खाना खिलाया। इसके बाद उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताना शुरू किया। उन्होंने बताया कि वह इस वक्त कानपुर जा रहे हैं, अपनी पत्नी को लेने के लिए। उनका मकान कानपुर में है। उन्होंने उस वक्त अपने विचार को साझा करते हुए बताया कि उनकी इच्चा मासिक पत्रिका निकालने की है। उन्होंने बताया कि प्रकाशक कविताओं के लिए एक हजार रुपये देते हैं, लेकिन उनकी इच्छा है कि

वे कविताओं को पत्रिका में क्रमश: निकालें फिर अपने ही पैसों से पुस्तकाकार प्रिंट करवाएं। उमापती ने यह भी बताया कि उनकी जमींदारी कानपुर शहर में है, लेकिन वो साहित्यिक जिंदगी बिताना चाहते हैं। उन्हें जमींदारी से नफरत है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी लड़कियों के एक स्कूल में प्रधानाध्यापिका हैं। यह सारी बातें देर रात तक चलती रहीं। अधिकांश बाते उस दिन की याद नहीं है। हां, बस यह याद है कि हमने अपने भावी जिंदगी का एक प्रोग्राम बना लिया था। उस वक्त मैं अपनी किस्मत को सराह रहा था कि घर बैठे-बैठाये मुझे भगवान ने एक सच्चा दोस्त भेज दिया। हम लोगों को बात करते-करते लगभग आधी रात यूं ही बीत गई थी। उन्हें अगले दिन सुबह 8 बजे निकलना था। जब मैं सोकर उठा तो सुबह के 7 बज रहे थे।

मैंने देखा कि उमापति जी जाने के लिए तैयार थे। बोले- इजाजत दीजिए लौटते वक्त इधर से ही जाउंगा। इस वक्त आपको तकलीफ दे रहा हूं। माफ करिएगा। जब कल मैं चला था तो उस वक्त सुबह के 4 बज रहे थे। चलने की चिंता में पूरी रात जागना पड़ गया। गाड़ी में बैठते ही झपकियां आने लगीं।

तो मैंने कोट उतार दिया और फिर लेटा तो फौरन सो गया। मुगलसराय में आंख खुली तो देखा कि कोट गायब था। कोट को मैंने चारो तरफ ढूंढा। पता ही नहीं चला कि मेरा कोट किसी ने चोरी कर लिया है। मेरे कोट में उस वक्त 50 रुपये रखे थे, वो भी साथ में चले गए। पत्नी के मैके उसे लेने जाना है और जाते वक्त मुझे कपड़े ले जाने हैं। आप मुझे 50 रुपए उधार दे दीजिए। ससुराल में हर वक्त थोड़े-बहुत पैसे खर्च होने स्वाभाविक हैं। ऐसे में अगर पैसे ना खर्च करो, तो हंसी होगी। मैं जब वापसी में इधर से लौटूंगा तो आपको पैसे देता हुआ जाऊंगा।

मैं उनकी बात सुनकर बड़ी दुविधा में था। मुझे पहले भी एक बार धोखा मिला था। फौरन मन में ख्याल आया कि कहीं इस बार भी धोखा न खा जाऊं। फिर तुरंत ही मुझे अपने इस ख्याल पर शर्म आने लगी। मैंने सोचा, इस संसार में हर आदमी एक जैसा नहीं होता। ये बेचारे कितने सज्जन आदमी हैं। इस वक्त मुसीबत में हैं। ये सोचते हुए मैंने अपनी पत्नी को कहा कि अगर तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं तो दे दो।

पत्नी ने पूछा, क्या करोगे? मैंने कहा, कल जो मेरे मित्र आए हैं किसी ने उनके रुपये सफर के दौरान चुरा लिए हैं। उन्हें ससुराल अपनी पत्नी को लेने जाना है। लौटते वक्त वो पैसे दे देंगे। मेरी बातों को सुनकर पत्नी ने मजाक करते हुए कहा कि तुम्हारे जितने भी दोस्त आते हैं, सब तुम्हें धोखा देने ही आते हैं। मेरे पास कुछ पैसे नहीं हैं। फिर मैंने थोड़ा अपनी पत्नी को मनाते हुए कहा कि अगर पैसे हैं तो दे दो ना, बेचारे तैयार होकर खड़े हैं। उनकी गाड़ी छूट जाएगी।

पत्नी ने कहा, बोल दो जाकर कि इस वक्त घर में कोई पैसे नहीं हैं। मैंने कहा, यह कहना इतना आसान बिल्कुल नहीं है। इसका मतलब यह है कि मैं दरिद्र होने के साथ-साथ अच्छा दोस्त भी नहीं हूं। क्या मेरे पास 50 रुपये का भी इंतजाम नहीं हो सकता। उमापति जी को इसपर कभी भी यकीन नहीं होगा कि मेरे पास इतने पैसे भी नहीं है। इससे तो यह सही है कि उनसे मैं सीधे-सीधे कह दूं कि हमे आप पर बिल्कुल भी यकीन नहीं हैं।

मेरी बातें सुनकर पत्नी ने झुंझला कर बक्से की चाभी मेरे सामने फेंकते हुए कहा कि तुम जितनी आसानी से बहस कर लेते हो, अगर उतनी आसानी से आदमी परखना जानते तो अभी तक इंसान बन गए होते। जाओ और दे दो ये रुपये। इन रुपयों को उधार समझकर मत दो, ये समझना कि इन रुपयों को पानी में फेंक दिया। मुझे तो बस आम से मतलब था ना कि पेड़ की गिनती से। मैंने रुपये निकालकर उमापति जी को उसी वक्त दे दिए। उमापति जी ने पैसा लौटाने का वादा किया और चले गए। उमापति सातवें दिन फिर शाम को घर वापस आएं। उनके साथ इस बार उनकी पत्नी व बेटी थी। दही-चीनी खिलाकर मेरी पत्नी ने उन लोगों का स्वागत व आदर-सत्कार किया। यहां तक कि 20 रु मुंह-दिखायी के दिये। इसके साथ की उनकी बेटी को भी मेरी पत्नी ने मिठाई खाने के लिए 2 रुपए दिये। मुझे लगा था कि उमापति जी आने के बाद ही मेरे रुपये लौटा देंगे, लेकिन उन्होंने रात में रुपयों का कोई जिक्र तक नहीं किया। सोते वक्त मैंने पत्नी से कहा कि रुपये का तो इन्होंने जिक्र तक नहीं किया।

पत्नी ने मेरी बात सुनकर हंसते हुए कहा कि क्या तुम्हे सच में उम्मीद थी कि वो आते ही फौरन तुम्हारे पैसे लौटा देंगे। मैंने पहले ही तुमसे कहा था कि रुपये मिलने की उम्मीद से उन्हें पैसे मत देना। यह समझो कि ये पैसे किसी दोस्त की मदद के लिए दिए थे, लेकिन तुम तो विचित्र हो। पत्नी की बातें सुनकर मैं लज्जित होकर चुप रह गया। उमापति अपने परिवार वालों के साथ दो दिन तक मेरे घर में रुके। मेरी पत्नी ने इस दौरान उन लोगों का खूब आदर-सत्कार किया। मुझे फिर भी संतोष नहीं था, क्योंकि मैं समझता था कि इन्होंने मेरे साथ धोखा किया था।

तीसरे दिन वो सुबह जल्दी अपने घर जाने को तैयार हो गए। मुझे अब उम्मीद थी कि वो मेरे रुपये लौटा देंगे। ऐसा नहीं हुआ, वो अब एक नई रामकहानी सुनाने लगें। उन्होंने बिस्तर बांधते हुए कहा कि मुझे बड़ा ही दुख है कि इस बार मैं आपके पैसे नहीं लौटा पाउंगा। दरअसल, बात ये है कि घर में पिताजी से मुलाकात नहीं हो पाई। वे किसी काम से गांव गये हुए थे। मेरे पास इतनी छुट्टियां नहीं थी कि उनसे मिलने मैं गांव तक जाता। गांव जाने के लिए रेल का वहां कोई भी जरिया नहीं है। वहां पहुंचने के लिए बैलगाड़ियों से जाना पड़ता है। इसीलिए, सिर्फ एक दिन मैं घर में रहा और फिर अपने ससुराल को निकल गया। मेरे सारे रुपये ससुराल में ही खर्च हो गये। अब तो मेरे पास ट्रेन के टिकट तक का पैसा नहीं है। कृपया आप 25 रुपये मुझे दे दीजिए। मैं वहां पहुंचते ही आपके रुपये भेज दूंगा। मन तो किया कि फौरन जवाब दे दूं, लेकिन ऐसा मैं कर नहीं पाया। मैंने पत्नी से पैसे मांगकर उमापती के हाथ पर रख दिए। इसके बाद वो चले गएं। एक हफ्ते के बाद फिर उमापति जी ने पत्र भेजा जिसमें लिखा था कि वो काम के सिलसिले में बाहर जा रहे हैं। वापस लौटकर रुपये भेजेंगे। पंद्रह दिनों के बाद मैंने एक पत्र लिखकर उनका हाल-चाल पूछा, लेकिन मेरे पत्र का कोई जवाब नहीं आया। मैंने पंद्रह दिनों के बाद फिर से पत्र लिखा और इस बार मैंने रुपयों के बारे में पूछा। इसका भी कोई जवाब नहीं आया। एक महीने बाद मैंने फिर पत्र लिखा, लेकिन इस बार भी कोई जवाब न आया। मैं समझ गया था कि पत्नी ने जो भी कहा वो ही सच था। मैं निराश और चुप होकर बैठ गया। हालांकि, मैंने अपने इन पत्रों के बारे में अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया। उमापति के इस व्यवहार पर मुझ पर गहरा असर पड़ा।

फिर इसी महीने मेरे यंत्रलय में बिहार-प्रांत से एक कंपोजीटर आया था। 15 रु. मासिक पर मैंने उसे काम पर रख लिया था। वो पहले किसी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा करता था। किसी का सहयोग न मिल पाने की वजह से वो पढ़ाई छोड़ चुका था। उसके घरवालों ने उसकी मदद करने से मना कर दिया था। मजबूर होकर उसे यह नौकरी करनी पड़ी। उसकी उम्र वही कोई 17 से 18 साल रही होगी। उसका गंभीर स्वभाव था और उसके बातचीत करने का तरीका भी अच्छा था। यहां आने की तीसरे ही दिन उसे बुखार आ गया।

कुछ दिनों के बाद भी जब बुखार नहीं गया, तो उसे अपने घर की याद सताने लगी। उसने मुझसे कहा कि वह बीमार है। उसे कुछ रुपए मिल जाए तो वह घर चला जाएगा। फिर वह वहां पहुंचकर पैसों का इंतजाम करके मुझे भेज देगा। वह सच में बहुत बीमार था, लेकिन मैं पहले से ही पैसों के मामले में धोखा खाकर बैठा हुआ था। इसलिए मैंने उसे मना कर दिया। मेरी बातें सुनकर वो रोने लगा और मुझसे मदद की विनती करने लगा, लेकिन धोखे की चोट खाए बैठा मैं उसकी बातों को नजरअंदाज कर गया।

वो लड़का मेरे पास से आंखों में आंसू लेकर गया था तब कार्यालय के एक क्लर्क जिनका नाम पं. पृथ्वीनाथ था। उन्होंने उसकी मदद कर दी। उन्होंने उसकी पूरी कहानी सुनकर उसे 15 रुपये दे दिए थे। जब मुझे इसकी जानकारी हुई तो मानो मेरे मन से कोई बोझ उतर गया हो। चलो अब वो बेचारा अच्छे से घर तो पहुंच ही जाएगा। यह सोचकर ही मुझे मुफ्त में ही संतोष मिल गया, लेकिन कुछ अपने किए पर भी मुझे शर्म आई। मैं बड़े-बड़े उपदेश दिया करता था, लेकिन आज अपनी ही जुबान से मुकर गया। पांचवें दिन पैसे आ गए। मेरी आंखे खोल देने वाली यह यातना मुझे शायद ही कभी मिली थी। खैर इस बारे में मैंने अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया था, वरना मेरा घर में मुश्किल हो जाता।

पूर्वकथिक वृत्तांत को लिखकर मैंने पत्रिका में भेजवा दिया। मेरा मक्शद बस इतना था कि मैं लोगों को धोखेबाजी के इस कुपरिणाम का संदेश दूं। मुझे सपने में भी उम्मीद नहीं थी कि इसका मुझे कोई सीधा फल मिलेगा। फिर चौथे दिन 5 रुपये का मनीऑर्डर मेरे पास पहुंचा। मैं उसे देखकर इतना खुश हुआ कि मेरी खुशी की कोई सीमा नहीं थीं। मनीऑडर भेजने वाला कोई और नहीं, बल्कि वही महोदय थे उमापति। भेजे गए कूपन पर सिर्फ क्षमा शब्द लिखा था। मैंने वो पैसे ले जाकर अपनी पत्नी को दे दिए और वो कूपन दिखाया।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

साक्षात्कार

मुँह अंधेरे यात्रा पर निकलना है। निकलते समय घर की दीवार पर टँगे मंदिर में विराजे ठाकुर जी को माथा टेकने गया। दर्शन के लिए बिजली लगाई। बिजली लगाने भर की देर थी कि मानो ठाकुर जी हँस पड़े। मनुष्य को भी अपनी वैचारिक संकीर्णता पर स्वयं हँसी आ गई।

दिव्य प्रकाशपुंज को देखने के लिए 5-7 वॉट का बल्ब लगाना! सूरज को दीपक दिखाने का मुहावरा संभवत: ऐसी नादानियों की ही उपज है।

नादानी का चरम है, भीतर की ठाकुरबाड़ी में बसे ठाकुर जी के दर्शन से आजीवन वंचित रहना। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मनुष्य आँखों को खुद ढककर अंधकार-अंधकार चिल्लाता है।

खुदको प्रकाश से वंचित रखनेवाले मनुष्यरूपी प्रकाश की कथा भी निराली है। अपनी लौ से अपरिचित ऐसा ही एक प्रकाश, संत के पास गया और प्रकाशप्राप्ति का मार्ग जानना चाहा। संत ने उसे पास के तालाब में रहनेवाली एक मछली के पास भेज दिया। मछली ने कहा, अभी सोकर उठी हूँ, प्यास लगी है। कहीं से थोड़ा जल लाकर पिला दो तो शांति से तुम्हारा मार्गदर्शन कर सकूँगी। प्रकाश हतप्रभ रह गया। बोला, जल में रहकर भी जल की खोज? मछली ने कहा, यही तुम्हारी जिज्ञासा का समाधान है। खोज सके तो खोज।

खोजी होये तुरत मिल जाऊँ
एक पल की ही तलाश में।
कहत कबीर सुनो भाई साधो,
मैं तो हूँ विश्वास में।।

भीतर के ठाकुर जी के प्रकाश का साक्षात्कार कर लोगे तो बाहर की ठाकुरबाड़ी में स्वत: उजाला दिखने लगेगा।

बोध कथा

उबासी की सजा

एक दिन तेनालीराम को रानी तिरुमाला ने संदेश भिजवाया कि वह बड़ी मुश्किल में हैं और उनसे मिलना चाहती हैं। रानी का संदेश पाकर तेनालीराम तुरंत रानी से मिलने पहुंच गए। तेनालीराम ने कहा, रानी जी! आपने इस सेवक को कैसे याद किया? इस पर रानी तिरुमाला ने कहा, तेनालीराम! हम एक बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं।

तेनालीराम ने कहा, आप किसी भी तरह की चिंता बिल्कुल न करें और मुझे बताएं कि आखिर बात क्या है? तेनालीराम की बातें सुनकर रानी की आंखें भर आईं। उन्होंने कहा, दरअसल महाराज हमसे बहुत नाराज हैं। तेनालीराम ने कहा, लेकिन क्यों? आखिर ऐसा क्या हुआ? रानी ने बताया, एक दिन महाराज हमें एक नाटक पढ़कर सुना रहे थे और तभी अचानक हमें उबासी आ गई, बस इसी बात से नाराज होकर महाराज चले गए।

यह बात सुनकर महाराज ने भड़कते हुए कहा, तेनालीराम! तुम्हारे जैसा मूर्ख व्यक्ति मैंने आज तक नहीं देखा। महाराज ने बिगड़ते हुए कहा, क्या संसार में ऐसा कोई होगा जिसे कभी उबासी न आई हो। तेनालीराम ने कहा, ओह! मुझे माफ करें महाराज! मुझे नहीं पता था कि उबासी सब को आती है।

रानी ने तेनालीराम से कहा, तब से कई दिन बीत गए हैं, लेकिन महाराज मेरे पास नहीं आए हैं। मैंने गलती न होते हुए भी महाराज से माफी भी मांग ली थी, लेकिन महाराज पर इसका कोई असर नहीं हुआ। अब तुम्हीं मेरी इस समस्या का समाधान बता सकते हो तेनालीराम।

तेनालीराम ने रानी से कहा, आप बिल्कुल भी चिंता न करें महारानी! आपकी समस्या दूर करने की मैं पूरी कोशिश करूंगा। महारानी को समझा-बुझाकर तेनालीराम दरबार जा पहुंचे। महाराज कृष्णदेव राय राज्य में चावल की खेती को लेकर मंत्रियों के साथ चर्चा कर रहे थे। महाराज मंत्रियों से कह रहे थे, हमारे लिए राज्य में चावल की उपज बढ़ाना आवश्यक है। हमने बहुत प्रयास किए। हमारी कोशिशों से स्थिति में सुधार तो हुआ है, लेकिन समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। तभी अचानक तेनालीराम ने चावल के बीजों में से एक-एक बीज उठाकर कहा, महाराज अगर इस किस्म का बीज बोया जाए, तो इस साल उपज कई गुना बढ़ सकती है।

महाराज ने पूछा, क्या ये बीज इसी खाद के जरिए उपजाया जा सकता है? इस पर तेनालीराम ने कहा, हां महाराज! इस बीज को बोने के लिए और कुछ करने की जरूरत नहीं है, परन्तु! महाराज ने पूछा, परन्तु क्या तेनालीराम? तेनालीराम ने जवाब दिया, शर्त यह है कि इस बीज को बोने, सींचने और काटने वाला व्यक्ति ऐसा होना चाहिए, जिसे जीवन में कभी उबासी न आई हो और न ही कभी उसे उबासी आए।

यह बात सुनकर महाराज ने भड़कते हुए कहा, तेनालीराम! तुम्हारे जैसा मूर्ख व्यक्ति मैंने आज तक नहीं देखा। महाराज ने बिगड़ते हुए कहा, क्या संसार में ऐसा कोई होगा जिसे कभी उबासी न आई हो। तेनालीराम ने कहा, ओह! मुझे माफ करें महाराज! मुझे नहीं पता था कि उबासी सब को आती है। मैं ही नहीं, महारानी जी भी यही समझती हैं कि उबासी आना बहुत बड़ा अपराध है, मैं अभी जाकर महारानी जी को भी यह बात बताता हूं। तेनालीराम की बात सुनकर पूरी बात महाराज की समझ में आ गई। वे समझ गए कि तेनालीराम ने यह बात उन्हें सही रास्ता दिखाने के लिए कही थी। उन्होंने कहा, मैं खुद जाकर यह बात महारानी को बता दूंगा। इसके बाद महाराज तुरंत महल जाकर रानी से मिले और उनके साथ सभी शिकायतों को दूर कर दिया।

वीर गाथा

मेजर एम सरवनन: मां को चिट्ठी में जो लिखा, वह कर दिखाया

मेजर एम सरवनन का जन्म 10 अगस्त, 1972 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनके पिता आदि मरियप्पन भी भारतीय सेना में बतौर लेफ्टिनेंट कर्नल सेवाएं दे चुके हैं। माता अमृतवल्ली अपने बेटे को वीरों और महापुरुषों की कहानियां सुनाया करती थीं। इस तरह घर के माहौल से उन्हें सेना में जाने की प्रेरणा मिली।

सरवनन ने कई स्थानों से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। वे कॉलेज में छात्र संघ के अध्यक्ष भी रहे थे। उन्होंने एनसीसी में सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया था। सरवनन ने साल 1995 में ओटीए पास किया। इसके बाद उन्हें बिहार रेजिमेंट में शामिल कर लिया गया।

साल 1999 में जब कारगिल युद्ध छिड़ा तो सरवनन की यूनिट को वहां भेज दिया गया। इस दौरान उन्होंने अपनी मां को चिट्ठी लिखी थी कि वे जीवन में इस अवसर का इंतजार कर रहे थे और 'वीर चक्र' लेकर घर आएंगे।

सरवनन की यूनिट को बटालिक सेक्टर के पश्चिमी किनारे पर स्थित प्वाइंट 4268 पर कब्जा करने का जिम्मा सौंपा गया था। यह इलाका बहुत ऊंचाई पर स्थित है, जहां प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों के साथ सख्त मौसम भी कड़ा इम्तिहान लेता है।

दो हमलों में आशानुकूल परिणाम न मिलने के बाद सरवनन ने तीसरा हमला बोला। चूंकि दुश्मन को बेहद ऊंचाई पर होने के कारण फायदा मिल रहा था। मेजर सरवनन के नेतृत्व में सुबह चार बजे जोरदार प्रहार किया गया। उन्होंने रॉकेट लॉन्चर चलाकर पाकिस्तान के दो फौजी मार गिराए। हालांकि वे खुद भी दुश्मन की गोलीबारी में घायल हुए। उनके पेट में छर्रे लगे थे। उनके कुछ साथी शहीद हो गए, लेकिन इसके बावजूद वे आगे बढ़ते रहे।

सरवनन ने अपने सीओ से कहा कि मंज़िल क़रीब है, हम दुश्मन को छोड़ेंगे नहीं, जिसने हमारे सैनिकों की जान ली है। सरवनन ने जोरदार गोलीबारी करते हुए पाकिस्तान के दो और जवानों को धराशायी कर दिया। वे आख़िरकार चोटी पर चढ़ने में कामयाब रहे, लेकिन सुबह 6.30 बजे सिर में गोली लगने से वीरगति को प्राप्त हो गए।

इसके बाद उनके साथी जवानों ने पाकिस्तानियों को मार भगाया और प्वाइंट 4268 पर कब्जा कर लिया। मेजर एम सरवनन को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। बेटे की ओर से यह सम्मान उनकी मां ने प्राप्त किया। मेजर सरवनन ने चिट्ठी में जो लिखा, वह कर दिखाया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुंबई हमले में जीवित बचे बेबी मोशे के चाचा ने कहा

गाजा में बंधक बनाए गए हैं दर्जनों मोशे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में 15 साल पहले हुए आतंकवादी हमले के दौरान नरीमन हाउस में मारे गए इजराइली दंपति के एक करीबी रिश्तेदार मोशे होजबर्ग ने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष की तुलना 2008 के मुंबई हमले से करते हुए कहा कि हमास ने गाजा में दर्जनों बच्चे बंधक बना रखे हैं।

मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान नरीमन हाउस में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने बेबी मोशे के माता-पिता की हत्या कर दी थी। हालांकि, उस वक्त दो वर्ष की आयु के रहे इस बच्चे को उसकी भारतीय आया सैंड्रा सैमुएल ने बचा लिया था।

बेबी मोशी के चाचा मोशे होजबर्ग ने कहा कि गाजा में बच्चों को बंधक बनाया जाना उन्हें मुंबई हमलों के दौरान बेबी मोशे से जुड़ी घटना की याद दिलाता है।

मोशे होजबर्ग ने मुंबई हमले की 15वीं बरसी से ठीक पहले अमेरिका के एक अज्ञात स्थान से 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष साक्षात्कार में यह बात कही। पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने मुंबई हमले को अंजाम दिया था।

पाकिस्तानी आतंकवादियों ने कोलाबा के नरीमन हाउस में चबाड़ यहूदी केंद्र में रब्बी गेब्रियल और रिवका होजबर्ग तथा चार अगुंतकों की हत्या कर दी थी।

मोशे होजबर्ग ने कहा कि बेबी मोशे अब 17 साल का हो गया है।

होजबर्ग ने 'जूम कॉल' पर कहा, 'बेबी मोशे के साथ जो कुछ हुआ, उसे ध्यान में रखते हुए भारत, बंधकों की स्थिति को भलीभांति समझता है क्योंकि उसे भी 2008 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान बंधक बनाया गया था।' उन्होंने कहा, 'फिलहाल वहां दर्जनों मोशे बंधक बनाए गए हैं और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को रिहा करने और उनकी वापसी के लिए हम प्रार्थना कर रहे हैं।'

बेबी मोशे के बारे में उन्होंने कहा, 'बेबी मोशे अब वह बच्चा नहीं रहा, जिसे पूरा भारत बेबी मोशे के रूप में जानता है। उसे उसकी आया ने बचाया था।'यह पूछे जाने पर कि क्या मोशे को इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध की जानकारी है, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि यह उसके लिए बहुत ही जरूरी है।होजबर्ग ने कहा, 'वह भलीभांति समझता है कि इजराइल में क्या हो रहा है। यह कोई ऐसी चीज नहीं, जिसके बारे में आप सिर्फ बात कर सकते हों बल्कि आप इसके साथ जीते हैं। आपको इसके साथ जीना है क्योंकि रोजाना मिसाइलें दागी जा रही हैं।'

भारतीय मूल के 13 वर्षीय लड़के ने यूरोप में योग प्रतिभा कार्यक्रम में जीता स्वर्ण पदक

लंदन/भाषा। दक्षिण पूर्व इंग्लैंड में रहने वाले भारतीय मूल के 13 वर्षीय ईश्वर शर्मा ने स्वीडन में आयोजित 'यूरोपियन योग स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप' में स्वर्ण पदक जीतकर एक और खिताब अपने नाम किया है। योग प्रतिभा के धनी ईश्वर इससे पहले कई पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। केन्ट के सेवनओक्स में रहने वाले ईश्वर ने तीन साल की उम्र से योग करना शुरू किया था। ईश्वर ने अपने पिता को रोजाना योग करते हुए देखा, जिसके बाद उन्होंने इसका अभ्यास करना शुरू किया और अब तक वह कई पुरस्कार जीत चुके हैं। पिछले सप्ताहांत ईश्वर ने 12-14 वर्ष की श्रेणी में 'यूरोप कप 2023' जीता था। यूरोप कप, माल्मो में 'स्वीडिश योग स्पोर्ट्स फेडरेशन' के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित किया गया था। ईश्वर के परिवार ने एक बयान में कहा, 'ईश्वर में विशेष रूप से खास जरूरत वाले बच्चों के बीच योग का संदेश फैलाने का बहुत जुनून है।' ईश्वर 'ऑटिज्म' और 'अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर' से पीड़ित है। ईश्वर ने कोरोनोवायरस महामारी के वक्त लॉकडाउन के दौरान 14 देशों के 40 बच्चों को रोजाना योग की कक्षाएं दीं, जिसकी वजह से तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने उन्हें 'पॉइंट्स ऑफ लाइट' पुरस्कार से सम्मानित किया था।

शिविर

डिब्रूगढ़ में शनिवार को बारबरुआ ब्लॉक के अंतर्गत बोरपाथर जीपी कार्यालय परिसर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित स्वास्थ्य शिविर की झलकियाँ।

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में सराही गई राधिका मदान की फिल्म 'सना'

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान की फिल्म सना को 54 वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में सराहना मिली। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'सना' का हाल ही में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के 54वें एडिशन में 'इंडियन पैनोरमा' सेक्शन में प्रीमियर हुआ और इसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2023 में फिल्म सना को मिली शानदार प्रतिक्रिया से सम्मानित होकर, निर्देशक सुधांशु सरिया ने कहा, मैं खुद को दुनिया के टॉप पर महसूस करता हूं। हमें मान्यता की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हमें जो अविश्वसनीय सराहना

मिली है, उससे ऐसा लगा जैसे मुझे यह मेरे परिवार से मिली है क्योंकि हमारे देश ने इसे स्वीकार किया है। यह तथ्य कि हमें भारत सरकार द्वारा उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया और मंच दिया गया, यह हम सभी के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। दर्शकों से मिलना और बातचीत के साथ-साथ उनके प्यार को महसूस करना अभूतपूर्व था। यह फिल्म से जुड़े हर किसी की कड़ी मेहनत का नतीजा है। मैं इस तरह के सम्मान के लिए बेहद आभारी हूं और उन यादों के साथ घर वापस जा रहा हूं जिन्हें मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।

उल्लेखनीय है कि फिल्म 'सना' को अन्य प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों जैसे शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एसआईएफएफ), टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल और सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा मिली थी।सुधांशु सरिया के प्रोडक्शन बैनर फोर लाइन फिल्म्स द्वारा निर्मित, 'सना' में राधिका मदान के साथ सोहम शाह, शिखा तल्सानिया और पूजा भट्ट महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

हिंद महासागर में संदिग्ध ईरानी हमले में इजराइली पोत को निशाना बनाया गया : अमेरिकी अधिकारी

दुबई/एपी

हमास और इजराइल के मध्य युद्ध के बीच हिंद महारासागर में एक संदिग्ध ईरानी ड्रोन ने एक इजराइली अरबपति के कंटेनर पोत पर हमला कर दिया। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

'सीएमए सीजीएम सायमी' पर शुक्रवार को यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब कई सप्ताह से जारी इजराइल-हमास युद्ध के कारण वैश्विक नौवहन को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इजराइल और हमास के बीच समझौते के तहत चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी हो गया है। हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में कैद फलस्तीनी नागरिकों की इस युद्ध विराम की अवधि में अदला-बदली की जा रही है। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि ऐसा संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में माल्टा के ध्वज वाले पोत को बम से लैस त्रिकोण आकार के शहीद-136 ड्रोन ने निशाना बनाया। ड्रोन में विस्फोट के कारण पोत को नुकसान हुआ, लेकिन चालक दल का कोई सदस्य हताहत नहीं हुआ।

अधिकारी ने कहा, ''हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं।'' अधिकारी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि अमेरिकी सेना ऐसा क्यों मानती है कि हमले के पीछे ईरान का हाथ है।

राजनीतिक रूप से ईरानी समर्थित लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला से संबद्ध 'अल-मायादीन' अरब उपग्रह चैनल ने कहा कि हिंद महासागर में एक इजराइली पोत को निशाना बनाया गया है। चैनल ने इसे लेकर अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया, जिसे बाद में ईरानी मीडिया ने भी उद्धृत किया। सायमी का स्वामित्व सिंगापुर स्थित ईस्टर्न पैसिफ़िक शिपिंग के पास है, जो इज़राइली अरबपति इदान ओफ़र द्वारा नियंत्रित कंपनी है।

हमास के अचानक किए गए हमले ने फलस्तीन मुद्दे पर फिर से ध्यान आकर्षित किया : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राजदूत एम.के. भद्रकुमार का कहना है कि हमास द्वारा इजराइल पर अचानक किए गए हमले ने फलस्तीन मुद्दे की ओर एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है।

भद्रकुमार ने यहां 'इंडियन वीमेन प्रेस कोर' में शुक्रवार शाम को एक परिचर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू व्यवस्थित तरीके से 'एक-राष्ट्र' समाधान की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन यह यहूदियों और फलस्तीनियों को साथ-साथ लेकर चलने वाला इजराइल नहीं है। उज्बेकिस्तान और तुर्की में सेवा दे चुके पूर्व राजदूत ने कहा कि फलस्तीन मुद्दे का समाधान नहीं ढूंढना, आग से खेलने जैसा है। जॉर्डन, लीबिया और माल्टा सहित अन्य देशों में भारत के दूत रहे अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि जब हमास ने सात अक्टूबर को हमला किया, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इजराइल का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''लेकिन, इजराइल का जवाबी हमला जारी है, जिसे दुनिया के अधिकांश पर्यवेक्षकों और देशों ने असंगत माना है। मेरा मानना है कि इस कदम से उनके द्वारा अर्जित की गई सहानुभूति खत्म हो गई है।''

त्रिगुणायत ने कहा, ''पिछले 15 से 20 सालों से फलस्तीनी मुद्दा ठंडे बस्ते में है। बहुत कम देश इस बारे में बात करेंगे। भारत ने फलस्तीन मुद्दे पर लगातार अपना रुख बरकरार रखा है, लेकिन अरब दुनिया में चीजें बदल रही हैं।''

गाजा को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए संघर्षविराम की मांग करने वाले प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान से दूर रहने के भारत के फैसले पर उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद का सामना किया है और इसके खिलाफ अपना रुख बरकरार रखा है।

पूर्व राजनयिक ने कहा, ''भारत आज फलस्तीन मुद्दे का समग्र समाधान तलाश रहा है।

रोड शो

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार को खम्मम में तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले एक रोड शो में।

जी सिनेमा पर होगा फिल्म 'बवाल ' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म 'बवाल ' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर जी सिनेमा पर होगा। 'बवाल' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, जी सिनेमा पर 25 नवंबर को रात 08 बजे होगा।इस फिल्म के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर को लेकर वरुण धवन ने कहा, फिल्म बवाल जिंदगी की अनिश्चितताओं को उजागर करती है। मैं इस बात में यकीन रखता हूं कि भगवान की बड़ी योजनाएं होती हैं। यदि आपके मन का हो, तो अच्छा और यदि मन का ना हो, वो भी अच्छा। आज लोग निडर नहीं हैं। हर इंसान को हर कदम पर अपनी असुरक्षाओं से लड़ना पड़ता है। 'बवाल' ने इसी हकीकत को करीब से दिखाया और मुझे एक ऐसे किरदार में उतरने की चुनौती दी जो मुझसे बहुत अलग है।

यह आज की फिल्टर वाली ज़िंदगी की हकीकत दिखाती है, लेकिन इन सबके बीच जान्हवी के साथ काम करना बहुत मजेदार रहा।

जान्हवी कपूर ने कहा, फिल्म बवाल में निशा का रोल निभाते हुए मैंने एक ऐसे किरदार के बारे में जाना जो अपनी खामोश ताकत और अटूट उम्मीद से चलता है। उसके अपने संघर्ष हैं, रिश्तों, स्वास्थ्य और समाज की उलझने हैं, लेकिन इन सबके बावजूद वो हिम्मत, होशियारी और अच्छाइयों से भरी है। निशा की तरह मैं भी लगातार ज़ाहिर करने से ज्यादा गौर करने पर जोर देती हूं। आजकल लोग अपनी इमेज से बंधे हुए हैं और ऐसी दुनिया में जहां जहां लोग अपनी ही छवि में गुम हैं, वहां निशा की कहानी हम सभी को अपनी असलियत को अपनाने की हिम्मत और जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को जीने की प्रेरणा देती है।

हैदराबाद में शनिवार को अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर एक मल्टी डिजाइनर स्टोर के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करती हुईं।

फिल्म 'हाय नन्ना' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी की आने वालीफिल्म हाय नन्ना का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 'हाय नन्ना' की कहानी पिता और बेटी की है। बच्ची के पास पापा, दादा और चाचू सब होते हैं, लेकिन वह अपनी मां के बारे में जानने के लिए बेताब रहती है।

ट्रेलर की शुरुआत विराज (नानी) से होती है, जो अपनी बेटी को एक राजा की कहानी सुनाता है, जिसमें दादा और चाचू तो होते हैं, लेकिन रानी का किरदार नहीं होता है।बच्ची अपने पिता से अपनी मां की कहानी सुनाने के लिए कहती है।एक दिन बच्ची की मुलाकात यशना (मृणाल ठाकुर) से होती है और आखिरकार उस वक्त नानी बच्ची की मां की कहानी बताने के लिए राजी हो जाता है। मृणाल बच्ची का काल्पनिक मां बनती हैं। ट्रेलर में श्रुति हासन की भी झलक सामने आई है। 'हाय नन्ना' 07 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अंगद बेदी और जयराम भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

सलमान खान अपने काम के लिए जीते हैं : कैटरीना कैफ

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने टाइगर 3 के अपने पार्टनर सलमान खान की जमकर तारीफ की और कहा कि वह अपने काम के लिए जीते हैं और सेट पर शानदार हैं। कैटरीना ने कहा, सलमान सेट पर सीरियस रहते हैं या मजाक-मस्ती करते हैं। इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, सलमान सेट पर शानदार हैं। आप जानते हैं कि सलमान के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह खुद को या किसी भी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं। वह अपने काम के लिए जीते हैं और बहुत उदार इंसान भी हैं। मुझे लगता है कि उनका यह कॉम्बिनेशन आस-पास के सभी लोगों के लिए बहुत मनोरंजक है। कैटरीना और सलमान अक्सर एक साथ स्क्रीन शेयर करते रहे हैं। उन्होंने मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, हैलो, युवराज, टाइगर फ्रेंचाइजी और भारत जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कहती हैं कि जब सलमान आसपास होते हैं तो सेट पर हर कोई मुस्कुरा रहा होता है। उन्होंने कहा, जब वह आसपास होते हैं तो क्रू टीम हमेशा मुस्कुराती रहती है और मुझे लगता है कि अब वह टाइगर के कैरेक्टर से बहुत अधिक जुड़ गए हैं, वह दुनिया को जानते हैं और सीन खुद क्रिएट करते है। हमने एक साथ बहुत अच्छा समय बिताया, खासकर जब हम टाइगर की फिल्मों में थे। उन्होंने आगे कहा, हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं।

'द बुल' में काम करेंगे सलमान खान

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान, करण जौहर की फिल्म द बुल में काम करते नजर आ सकते हैं। काफी दिनों से खबरें आ रही थीं कि सलमान खान ,करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनने जा रही फिल्म में काम करेंगे।

इस फिल्म का निर्देशन विष्णु वर्धन करेंगे। सलमान खान , करण जौहर की फिल्म द बुल में काम करते नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म 'द बुल' में सलमान खान पैरामिलिट्री ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे।

सलमान खान और करण जौहर 25 साल बाद एक बार फिर साथ में आ रहे हैं। सलमान खान ने करण

जौहर की वर्ष 1998 में प्रदर्शित फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काम किया था। इस फिल्म में सलमान खान ने कैमियो रोल किया था।

फिल्म गुलमोहर और सिर्फ एक बंदा काफी है के मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेयी शनिवार को गोवा के पणजी में 54वें आईएफएफआई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 26-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शरीर व आत्मा दोनों का अस्तित्व अलग-अलग है। हम शरीर को बहुत महत्व देते हैं लेकिन आत्मा के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते है। आत्मा का अनुभव मनुष्य जन्म में ही किया जा सकता है और मनुष्य जन्म में भी आत्मा का अनुभव कम लोग ही कर पाते है। उन्होंने कहा आत्मा का अनुभव करने के लिए 12 भावना से भावित होना चाहिए और सूत्रों के अर्थ को जानकर क्रिया करनी चाहिए, ऐसा करने से हमें आत्मा की अनुभूति होगी। हमारे अंदर यदि पाप का डर है तो कर्मबंध कम होते जाएंगे। शरीर के जो पाप हो रहे हैं उन्हें गम से, चाल से और भाव से कम करना है, तब ही आप आत्मा का अनुभव कर सकते हो।

'इच्छाएं कभी पूरी नहीं हो पाती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम विराजीत साध्वीश्री चैतन्यश्री म. सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि हमें उत्तम कुल मिला है जैन धर्म मिला है और समय पर हमारा जन्म हुआ है जहां हमें प्रभु की जिनवाणी श्रवण करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। संतों के दर्शन समय पर मिलता रहता है और उतराध्यन सूत्र में हमने सुना की शिष्य को गुरु के सामने कैसे रहना है। रावण 64000 विद्याओं का ज्ञाता था राम ने लक्ष्मण से कहा कि रावण का अंतिम समय है। तुम उनसे राज्य चलाने के लिए सूत्र सीखो लक्ष्मण गए सर के पास खड़े हुए और कहते हैं कि बताओ राज्य चलाने का सूत्र उस समय ऊंची आवाज में अहंकार से लक्ष्मण ने रावण से बात कर रहे थे। रावण ने लक्ष्मण को जवाब नहीं दिया तब राम ने कहा रावण के पैर के पास खड़े होकर ज्ञान मांगो फिर राम के कहने पर लक्ष्मण दोबारा गए और पैर के पास धीमी आवाज में विनम्रता के साथ झुकते हुए रावण से राज्य चलाने के सूत्र मांगे। तो रावण ने कहा कि है लक्ष्मण पहला सूत्र है इच्छाएं कभी पूरी नहीं होती। इच्छाओं के पीछे दौड़ना नहीं क्योंकि दौड़ तो खत्म हो जाएगी। लेकिन इच्छा कभी खत्म नहीं होती है। दूसरा सूत्र हैं जीवन में अहंकार कभी मत करना सोने के सिंहासन पर बैठने वाला मैं आज मिट्टी में सोया हूं मुझे सब ने समझाया कि सीता की को वापस भेज दो पर मैंने अहंकार वश नहीं माना। मैंने किसी की भी नहीं सुनी और उसी का नतीजा है कि मैं आज मिट्टी में मिला हुआ हूं। अहंकार की कार से उतरना और विनम्रता के विमान में बैठना तीसरा सूत्र है। पराया औरत और पराया दौलत पर नजर मत डालना पराई औरत और पराया दौलत पर जो जो भी नजर डालें उनका अच्छा नहीं हुआ। यह तीन अमूल्य सूत्र लक्ष्मण के पास आए और लक्ष्मण खुश होते हुए राम के पास गए और यह तीनों सूत्र राम को बताएं। रविवार को सुबह कृतज्ञता दिवस मनाया जाएगा। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

जहां पर जाने से आत्मा का उद्धार होता है वह शत्रुंजय महातीर्थ है : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन संघ एलएनपुरम श्रीरामपुरम में बेंगलूरु जेपीपी श्रमणी भवन में श्रावक एवं श्राविकाओं को समझाते हुए कार्तिक पूर्णिमा की अद्भुत महिमा बताते हुए मुनिश्री राजपद्मसागर जी ने कहा आत्मा का उद्धार अगर करना हो तो तीर्थ में यात्रा करनी चाहिए और ऐसे ही महान तीर्थ जहां पर अनंत आत्माओं ने जाकर के अपनी आत्मा का कल्याण किया है। ऐसे श्री शत्रुंजय महातीर्थ की कार्तिक पूर्णिमा की महिमा बताते हुए कहा कि आदिनाथ परमात्मा के पुत्र द्रविड़ के दो पुत्र थे द्रव्य द्राविड़ और वारीखिल परमात्मा की देशना सुनकर द्रविड़ ने अपने पुत्र को राज्य का भार देकर के संसार असार है संसार अनित्य है।

जहां पर कुछ भी नित्य नहीं है और जो नित्य सुख है वह शाश्वत मोक्ष सुख है। ऐसे ही परमात्मा की वैराग्य में वाणी सुनकर के उन्होंने श्री ऋषभदेव परमात्मा के पास में दीक्षा अंगीकार कर ली, और द्रविड़ एवं वारीखिल दोनों अपना अपना राज्य संभाल रहे थे लेकिन जीव की कई प्रकार का संसार में रहते जीव कुछ न ऐसा जगह राज्य की वजह से अंदर युद्ध हुआ। दोनों भाइयों के बीच सात महीने तक युद्ध चला और तापस मिले, उनका दर्शन करने के उनका उपदेश सुनकर बाद में लगा कि संसार में कुछ भी नहीं है। लड़ाई झगड़ा कब तक, भाईचारा कुछ भी नहीं है, यह सब राज्य थोड़े समय के लिए है अस्थाई है, आज नहीं तो कल इस शरीर का कोई भरोसा नहीं है, आत्मा अजर अमर है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन उन्होंने 10 करोड़ मुनियों के साथ में मोक्ष सिधारे सिद्ध गति को प्राप्त हुए सर्वथा दुखों से मुक्त हो गए शाश्वत सुख को पा लिया ऐसी कार्तिक पूर्णिमा की महिमा है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा की आत्मा अमर है, नित्य है।

संसार का सुख और अशाश्वत है अस्थिर है। आत्मा हमेशा अमर रहती है, इसलिए हमें जो समय मिला है उसे समय के अंदर धर्म आराधना करनी चाहिए। मुनिश्री का चातुर्मास परिवर्तन संघवी आच्छा परिवार 'सुमंगलम' राजाजीनगर में होगा।

लक्ष्य के बिना मनुष्य का जीवन व्यर्थ है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लक्ष्य के बिना मनुष्य का जीवन व्यर्थ है। शनिवार साहुकारपेट जैन भवन में महासाध्वी धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है, लेकिन वह उस राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है। और दिशा हीन बनकर अपने जीवन को यूहीं व्यर्थ गंवा देता है। लक्ष्य ही हमें मंझिल दिला सकता है। बिना साहस और लक्ष्य के मनुष्य जीवन मे दिशा और लक्ष्य हासील नहीं कर सकता है और वह सफलता भी नहीं प्राप्त कर पाएगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि जिस मनुष्य का आत्म बल मजबूत होता है वही जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। साहूकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीरचंद सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया रविवार को जगत वल्लभ जैन दिवाकर चौधमलजी महाराज की जन्म जयंती एवं चातुर्मास समापन विदाई समारोह में महासती धर्मप्रभा, साध्वी स्नेहप्रभा के ऐतिहासिक मंगलमय चातुर्मास को सफल बनाने में एसएस जैन संघ के पदाधिकारियों ने जो भूमिका का निर्वहन किया। उन सभी पदाधिकारियों का सम्मान तथा साध्वीवृंद का श्रीसंघ साहुकारपेट सामूहिक रूप से अभिनन्दन करेगा। धर्मसभा का संचालन करते हुए सज्जनराज सुराणा ने बताया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के श्रीनगर के जनमन कन्नड़ संगठन द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव मनाया गया। मुख्यअतिथि महेन्द्र मुणोत एवं अन्य ने कन्नड़ ध्वजारोहण कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके जरूरतमंद विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की एवं अन्नदान कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर अतिथियों का सम्मान किया गया।

देह से अपनत्व का त्याग करना चाहिए : आचार्य उदयप्रभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि प्रवचन सुनने के बाद स्मरण योग जरूरी है, उसके बाद धारणा योग। परमात्मा से वस्तुपाल तेजपाल द्वारा की गई प्रार्थनाओं का विश्लेषण करते हुए कहा कि उनकी पहली प्रार्थना यह थी कि हे प्रभु, मैं आपके शास्त्रों का अभ्यास करूंगा। हमें देह से अपनत्व का त्याग करना चाहिए। संसार में सज्जनों की संगति, संस्कार से व्यक्ति तिर जाता है और दुर्जनों की संगति, संस्कार से डूब जाता है। अपनी दुविधाओं का दोष धर्म के ऊपर डालना अनुचित है। उन्होंने कहा संसार तो दुविधाओं से भरा पड़ा है। दुविधा आना और धर्म करना, दोनों को लिंक करने की आवश्यकता नहीं है। दुःख पाप से मिलते मिलता है, सुख धर्म से मिलता है। ज्ञानी कहते हैं इस भव का, आज का किया हुआ धर्म इस भव में फलित होगा, यह आवश्यक नहीं है। हमारे धर्म की गुणवत्ता के ऊपर भी यह निर्भर करता है। धर्म में जितनी इंटेंसिटी कम होगी, उतनी प्रभावकता कम होगी। उन्होंने कहा औरों का दिमाग हम बदल नहीं सकते, हमारे दिमाग को हम बदल सकते हैं। जीवनकाल को अगर उपवन बनाना है तो औरों की मानसिकता को बदलने का प्रयास मत करो। तीर्थंकर परमात्मा खुद को बदलने के बाद ही शासन की स्थापना करते हैं। औरों को बदलना तर्क है, खुद को बदलना श्रद्धा है। जब तक हम खुद को नहीं बदलेंगे, हमारा जीवन नहीं बदल पाएगा। हमारे पास मन तो एक ही है, उसे कन्वर्ट करने की क्षमता होनी चाहिए। संसार रूपी दरिए में नाव व नाविक अच्छे मिल जाए तो संसार रूपी दरिये से पार हो सकते हैं। हमें सत्संग मिले, ऐसी प्रार्थना करनी चाहिए। धर्म के कार्य में रोज एक धर्म गुरु के दर्शन व सत्संग अवश्य करना चाहिए। संसार रूपी दरिये में राग, द्वेष, क्रोध, मान, माया, लोभ आदि कषाय रहे हुए हैं। हमें इनका त्याग कर हमारी आत्मा को तिराना है। हमें सज्जनों की प्रशंसा व गुणगान बार-बार करना चाहिए। ऐसा कहा गया है कि सत्य बोलना या नहीं बोलना अलग बात है, निंदा तो कभी नहीं करनी नहीं चाहिए। निंदा के लिए सदैव मौन रहो। सज्जनों की संगति करो या नहीं करो, दुर्जन की संगति मत करो। शक्ति का कभी भी बचाव नहीं करना चाहिए। आत्मगुण में रमणता रखनी है। उन्होंने कहा आत्मा की अनुभूति तो होनी ही चाहिए। श्रद्धा को हमेशा निर्मल रखो। क्रिया करो या नहीं करो, श्रद्धा को कभी छोड़ना नहीं है। अधर्म के स्थान पर भी धर्म याद आए तो आपकी श्रद्धा अटूट है, यह समझना, यह निर्मल अवस्था है। उन्होंने कहा पाप यूनिवर्सल हो रहा है, धर्म को पर्सनल करना चाहिए। कोई भी कार्य में फिजिकल अटेंशन दूंगा, यह मन में रखना चाहिए। दुःखों का ऐतराज़ करना आर्तध्यान है, पापों का एतराज करना ही चाहिए। आपकी आत्मा का उद्धार करना है तो खुद को बदलना ही पड़ेगा। साल में एक बार आलोचना अवश्य करनी चाहिए। रोजाना जो लिखा है या सुना है, वह स्मरण करूंगा, ऐसा नियम बनाना चाहिए। लाइफ में एक लाइन लाइफ लाइन बन सकती है।

स्वभाव में आवश्यक सुधार किए बिना प्रगति नहीं हो सकती है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने धर्म प्रवचन देते हुए कहा कि अपने दोषों की ओर से अनभिज्ञ रहने से बड़ा प्रमाद इस संसार में और कोई नहीं हो सकता, इसका मूल्य जीवन की असफलता का पश्चाताप करते हुए ही चुकाना पड़ता है। आरंभ छोटे-छोटे दोष-दुर्गुणों से करना चाहिए। उन्हें ढूंढ़ना और हटाना चाहिए। इस क्रम से आगे बढ़ने वाले को जो छोटी-छोटी सफलताएं मिलती हैं, उनसे उसका साहस बढ़ता चलता है। उस सुधार से जो प्रत्यक्ष लाभ मिलते हैं, उन्हें देखते हुए बड़े कदम उठाने का साहस भी होता है और उन्हें पूरा करने का मनोबल भी संचित हो चुका होता है। गुण, कर्म, स्वभाव में आवश्यक सुधार किए बिना प्रगति नहीं हो सकती है। गुण, कर्म, स्वभाव का मानवोचित परिष्कार करते हुए व्यक्तित्व को सुविकसित करने में संलग्न होना चाहिए। वे आगे बोले कि दुर्व्यवहार का कुफल दुःख और बेचैनी है, फिर वह चाहे अपने साथ हो या दूसरे के साथ। भलाई की बात यह है कि आप जो औरों से अपने लिए चाहते हैं, वैसा ही बरताव दूसरों के साथ भी करें। बुद्धि और विचार की शक्ति मनुष्य में अन्य प्राणियों की अपेक्षा अधिक है, इसलिए वह अपनी भलाई का विचार कर सकता है। बुद्धि के सदुपयोग या दुरुपयोग से ही वह सुख-शांति या क्लेश और कलह की परिस्थितियां तैयार करता है। इसका दोषारोपण किसी दूसरे पर करना, मनुष्य की जड़ता का ही चिह्न समझा जाएगा। मनुष्य अपने कर्मों का फल आप भोगता है, इसके लिए किसी दूसरे को अपराधी नहीं कर सकते। अपनी शारीरिक त्रुटियों पर विचार कीजिए। आज के जन-जीवन में पान, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, मिर्च-मसाले, मिठाई- खटाई, अंडे, मांस आदि कितने अभक्ष्य पदार्थों का सेवन लोग करते हैं। लोगों के स्वास्थ्य खराब हों, तो इसमें आश्चर्य की कौन-सी बात है।

एक ओर खाद्य-पदार्थों में दूषित तत्त्वों का प्रवेश और दूसरी ओर बढ़ती हुई असंयम की प्रवृत्ति, दोनों ने मिलकर स्वास्थ्य की ऐसी बरबादी मचाई है कि लोगों में चलने-फिरने जितनी ही शक्ति शेष बची है। मौसम के परिवर्तन को सहन करने की शक्ति तक नहीं रही, जिसके फलस्वरूप सारा जीवन दुःख, शोक और रोगों के रूप में दिखाई देता है।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्री शिव गौसेवा भजन मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार पैलेस ग्राउन्ड में 'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या संत गोविन्द राम शास्त्री के सान्निध्य में होने जा रहा है। राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायक इस मौके पर अपनी प्रस्तुति देंगे। मंडल के पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम के लिए मुख्यअतिथि के रूप में गौसेवक महेन्द्र मुणोत को आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया।

वीतरागता की दिशा में करें प्रस्थान : मुनि हिमांशु कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया। मुनिश्री ने हिमांशुकुमारजी के मंगल मंत्रोच्चार एवं मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोकरणा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। तेयुप अध्यक्ष रजत बैद ने अभातेयुप एवं उपस्थित जनमेदिनी का स्वागत किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने युवा शक्ति को वीतराग भाव के प्रति सजग रहने की प्रेरणा प्रदान की। मुनि हेमंत कुमारजी ने जीवन में मुमुक्षा भाव रखने, धर्म के प्रति श्रद्धावान बनने की प्रेरणा दी।

मुनि हिमांशु कुमारजी ने वीतरागता के बाधक एवं साधक तत्त्वों की जानकारी देते हुए पापकारी प्रवृत्ति से बचने, पापभीरू बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के साथी, तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के पदाधिकारी एवं श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति थी।

संयोजक ऋषभ सेठिया का अतुलनीय श्रम रहा। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री दीपक सुराणा ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.